मासिक

jaihaatkeshvani.com

जय हाटकेश वाणी

जून 2015 वर्ष : 10 अंक : 1

महाकाल की नगरी में श्री हाटकेश्वर धाम के लोकार्पण पर विशेष

Happy 25th Anniversary

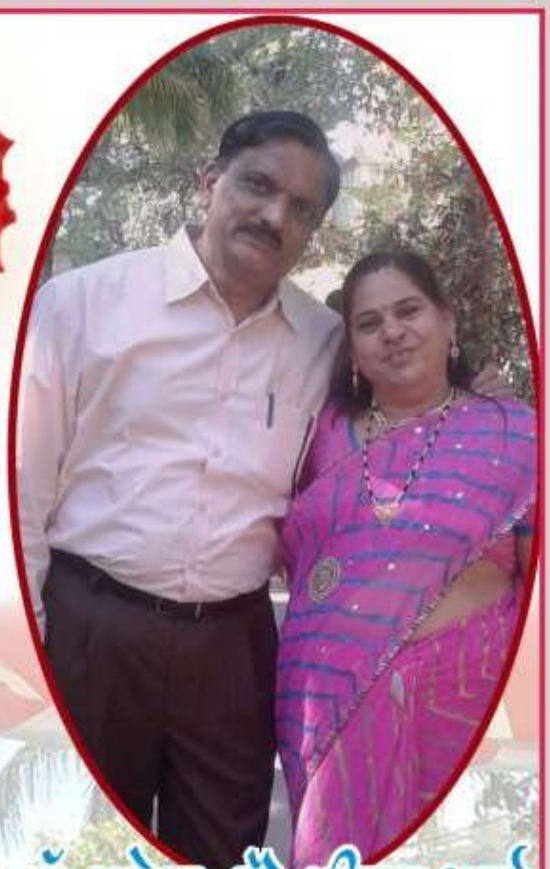

आप दोनों की जोड़ी कभी न टूटे।
खुदा करे आप एक दूसरे से कभी ना रुठे।।
यूँ ही एक होकर आप जिन्दगी बिताएं।
कि आप दोनों से खुशी का एक पल भी न छूटे।।

डॉ.राजेन्द्र-सौ.नीलम शर्मा

बहुत-बहुत बधाई, आशीर्वाद एवं शुभकामनाएँ...

5 मई

श्रीमती प्रेमलता-स्व.रामप्रसादजी शर्मा

सौ.आशा-रमेशचन्द्र शर्मा, सौ.दीक्षा-अश्विन शर्मा, सौ.पूजा-सर्वज्ञजी पुराणिक, आस्था, हार्दिक एवं वेदार्थ इन्दौर, सौ.अलका-हितेन्द्रजी नागर, दीक्षा कनार्दी, श्रीमती सुमित्रा-स्व.डॉ.रामरतनजी शर्मा, सौ. मनीषा-मुकेश शर्मा, हर्षित एवं शिवेश शर्मा, उज्जैन

श्रीमती सुशीला-स्व.ओमप्रकाशजी रावल, सौ.कविता-विजय रावल, सौ. उमा-मुकेश रावल

आदर्श, नम्रता, आंचल एवं आराध्या बड़ावदा (जावरा)

सौ.मंगला-बलरामजी नागर, हर्ष नागर घूंसी (शाजापुर)

संस्थापक

श्री शिवप्रसादजी शर्मा श्रीमती प्रभा शर्मा

प्रेरणा स्त्रोत

श्री गोवर्धनलालजी मेहता श्री विष्णुप्रसादजी नागर

प्रेरणा स्त्रोत-पं.कान्ताप्रसादजी नागर (दास्ताखेड़ी)

संरक्षक

पं श्री कमलकिशोर नागर, सेमली
पं श्री आर.के.झा, कोलकाता
पं श्री रवीन्द्र नागर, नईदिल्ली
पं श्री पुरुषोत्तम (परेश) पी.नागर, मुंबई
पं श्री महेन्द्र नागर, बैंगलौर
पं श्री नवरत्न व्यास, हैदराबाद
पं श्री हरिप्रसाद नागर, अकलेरा
पं श्री सुभाष व्यास, भोपाल
पं श्री ओमप्रकाश मेहता, भोपाल
पं श्री सुनील मेहता, मन्दसौर
पं श्री सुरेन्द्र मेहता (सुमन) उज्जैन
पं श्री दिनेश शर्मा, इटावा (तराना)
पं श्री कृष्णानंद मेहता, खण्डवा

प्रधान सम्पादक
सौ.संगीता दीपक शर्मा

सम्पादक
सौ.दिव्या अमिताभ मंडलोई
सौ. दमिता नवीन झा

वितरण एवं शिकायत
दीपक शर्मा
94250-63129

विज्ञापन
पवन शर्मा
98260 95995

सम्पादक वाणी...

सामूहिक आयोजन सबकी जिम्मेदारी

आज के दौर में सामाजिक संगठन एवं समाज उत्थान के प्रयास अत्यावश्यक हो गए हैं, ताजा गुर्जर आंदोलन आखिर हमें क्यों आंदोलित नहीं करता कि वे आरक्षण की मांग की खातिर देश की गति को प्रभावित कर सकते हैं। केवल उन्हीं जातियों को राजनैतिक एवं आर्थिक लाभ प्राप्त हो रहे हैं, जो संगठित है सशक्त है। इसी प्रकार आज हम नागर ब्राह्मण जाति को भी संगठित एवं सशक्त होने की जरुरत है। उसके अन्तर्गत न केवल एक-दूसरे से अधिकाधिक जुड़ाव अपितु आर्थिक समृद्धता के उपायों को प्राथमिकता देने की जरूरत है। वर्तमान स्थिति में समाज को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने का यही तरीका है कि रीति-रिवाजों में अनाप-शनाप अपव्यय को रोका जाए। अन्य समाजों में जिस प्रकार सामूहिक आयोजनों को अपनाकर इस दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं, उसी प्रकार हमें भी सामूहिक आयोजनों को व्यापक महत्व देना होगा। इतना अधिक कि जिस प्रकार पाटीदार समाज में सम्पन्न परिवार भी अपने बच्चों के विवाह सामूहिक आयोजन में करने लगे हैं। ये परिवार अनावश्यक धन का व्यय रोककर उसे समाज को शिक्षित बनाने के उद्देश्य से विद्यालय एवं छात्रावासों का निर्माण गांव-गांव नगर-नगर में करवा रहे हैं।

आखिर हम ऐसे आयोजनों को क्यों नियमितता नहीं दे पा रहे हैं। कुछ लोग इस दिशा में प्रयत्न करते हैं तो उन्हें आलोचना क्यों सहना पड़ती है? समाज का समृद्ध वर्ग आज भी ऐसे आयोजनों में अपनी सहभागिता क्यों नहीं कर रहा है? ये सारे प्रश्न पूरे समाज से जवाब चाहते हैं। गत माह इन्दौर में सामूहिक यज्ञोपवीत का आयोजन किया गया। बहुत अच्छा एवं प्रशंसनीय प्रयास आखिर सोशल मीडिया में आलोचना और छिछालेदार का शिकार क्यों हुआ? बड़ी मुश्किल से समाज के पदाधिकारी अपना अमूल्य समय निकालकर ऐसे कार्यक्रमों को अंजाम तक ले जाते हैं। हमारा कर्तव्य है कि हम उनका मनोबल बढ़ाएं तथा भविष्य में ऐसे आयोजन लगातार होते रहें ऐसा माहौल तैयार करें। उसके विपरित आलोचना के बाण से पदाधिकारियों, व्यवस्थापकों को इतना जख्मी कर दिया जाता है कि वे आयोजन से तौबा कर लेते हैं। ऐसी आलोचना को समाजद्रोह की श्रेणी में क्यों नहीं लिया जाए! कई समाज बल्कि अब तो सर्वब्राह्मण समाज भी लगातार ऐसे आयोजनों को महत्व दे रहा है। हर साल परिचय सम्मेलन, सामूहिक विवाह हो रहे हैं। ऐसे में हमारे समाज में भी ऐसे आयोजनों की सख्त आवश्यकता है, जिनसे समाज के अंदर ही रिश्ते होकर अन्तरजातीय विवाह पर रोक लगे तथा सामूहिक विवाह के माध्यम से धन के अपव्यय को रोककर उससे समाज में शैक्षणिक गतिविधियां तेज की जावे।

शेष पेज 17 पर

जय हाटकेश वाणी

सम्पर्क : अवन्तिका परिसर, 20, जूनी कसेरा बाखल (खजूरी बाजार), इन्दौर-452002
फोन : 0731-2450018, मो.94250-63129, 98260-95995, 99262-85002
Website : www.jaihaatkeshvani.com, / E-mail : jayhotkeshvani@gmail.com / manibhaisharma@gmail.com

मूल्य 10/- रुपये

हम आएंगे... आपके द्वार...

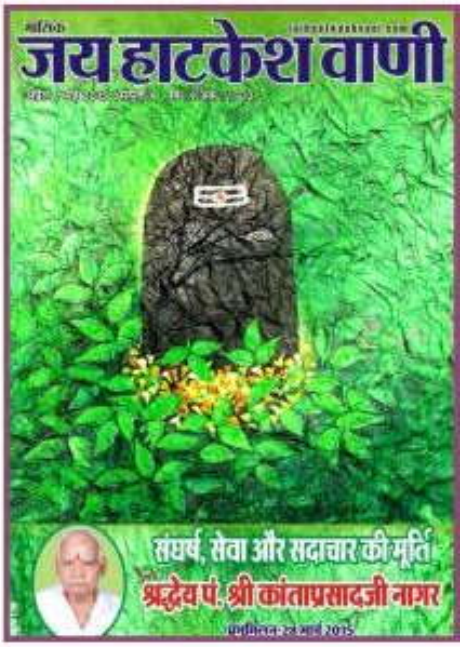

आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि मध्यप्रदेश में जय हाटकेश वाणी का जो आजीवन सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है, उसमें आशातीत सफलता मिली है और वह अभी जारी है, "हम आएंगे आपके द्वार" मध्यप्रदेश के जो नागर परिवार अभी तक जय हाटकेश वाणी की सदस्यता से वंचित हैं, उन्हें सदस्य बनाएंगे। जो समाजजन पूर्व में 250 रु. देकर तीन वर्ष हेतु सदस्य बने थे, उनकी सदस्यता का नवीनीकरण करेंगे। यह भी पता करेंगे कि आपको 'वाणी' नियमित मिल रही है या नहीं? आपसे निवेदन करेंगे कि अपने बच्चों के जन्मदिन, उपलब्धियां, स्वयं के विवाह वर्षगांठ एवं सेवाक्षेत्र में उन्नति, विवाह योग्य बच्चों के विवरण निःशुल्क प्रकाशन हेतु भेजें। आपके परिवार के जो युवजन अन्य शहरों या विदेश में नौकरी कर रहे हैं तो उनके ईमेल आय.डी. मांगेंगे ताकि उन्हें मेल पर निःशुल्क 'वाणी' भेजी जा सके। हम आएंगे आपके द्वार.... आपस में प्रेम से मिलकर परिचय को प्रगाढ़कर एक दूसरे को लाभान्वित करने के तरीके खोजने। यदि हम आएं... आपका दरवाजा, खटखटाएं... और आपको लगे किसी ने दिल पर दस्तक दी है, तो खोल देना अपने दरवाजे... हम आएंगे आपके दिल में जगह बनाएंगे। हम आएंगे... आपके द्वार...

सम्पादक

सदस्यता-नवीनीकरण आवेदन पत्र

मैं.....

डाक का पूरा पता (पिनकोड सहित) .....

.....

मासिक **जय हाटकेश वाणी** का आजीवन सदस्य बनना चाहता हूं। जिसके लिए निर्धारित आजीवन सदस्यता शुल्क 550 रु. नगद/चैक/ड्राफ्ट या आपके बैंक अकाउंट द्वारा निम्नलिखित पते पर भेज रहा हूं। मैंने यह शुल्क आपके खाते 'जय हाटकेश वाणी' केनरा बैंक शाखा एम.जी. रोड, (गोराकुण्ड) इंदौर में खाता क्रमांक- 0325201004027 में जमा किया है।

www.haatkeshvani.com

सम्पर्क- **जय हाटकेश वाणी**, 20 जूनी कसेरा बाखल (खजूरी बाजार) इंदौर-452002

फोन- 0731-2450018/मो. 99262-85002/99265-63129

Email : jayhotkeshvani@gmail.com/ manibhaisharma@gmail.com

आकांशे तारकं लिंगं पाताले हाटकेश्वरा ।
मृत्युलोके महाकालं, तार्या लिंगं नमोस्तुते ।।

पूज्य स्व.
पं.रामस्वरूपजी नागर

पूज्य स्व.
श्रीमती रामप्यारीबाई नागर

मालव रत्न
पं.कमलकिशोरजी नागर

नवनिर्मित श्री हाटकेश्वर धाम समाज को समर्पित

मालव माटी के प्रखर संत माँ सरस्वती के वरद पुत्र पूज्य गुरुदेव पं. श्री कमलकिशोरजी नागर महाराज अपने पूर्वजों की स्मृति में श्री हाटकेश्वर धाम का नव निर्माण कर समाज को लोकार्पित करने जा रहे हैं। इस शुभ अवसर पर नागर समाज सादर आमंत्रित है।

महाकालेश्वर भगवान

पावन क्षिप्रा तट

माँ हरसिद्धि

पूज्य गुरुदेव पं.श्री कमलकिशोरजी नागर महाराज का आशीर्वचन

॥ श्री ॥

श्री हाटकेश्वर धाम के संस्थापक – स्व.श्री गौवर्धन लाल जी मेहता के संकल्प पर ..... सिंहस्थ महाकुंभ २०१६ के पावन पर्व पर हमने अपने माता पिता कि पावन स्मृती में श्री हाटकेश्वर धाम का सम्पूर्ण नुतन निर्माण करवा कर नागर समाज को समर्पित किया।

भगवान से प्रार्थना है कि हमें कभी कर्ताभाव न आवे व सदा ऐसे पुरुषार्थ करने के लायक बनाए रखें।

चरण सेवक – पं. कमलकिशोर नागर

तेरा तुझको अर्पण

स्व.श्री गोवर्द्धनलालजी मेहता

नागर ब्राह्मण हाटकेश्वर मंदिर न्यास के संस्थापक अध्यक्ष एवं आधार स्तम्भ नागर समाज के गौरव हमारे प्रेरणा स्त्रोत स्व.श्री गोवर्द्धनलालजी मेहता को श्री हाटकेश्वर धाम के लोकार्पण समारोह के अवसर पर शत् शत् नमन्

न्यास मंडल, नागर ब्राह्मण हाटकेश्वर मंदिर न्यास

स्व.श्री पं. शंकरलालजी रावल, खजराना

स्व.श्री पं. जगन्नाथजी नागर (दड़िया वाले) उज्जैन

स्व.श्री पं. गेंदालालजी मेहता, उज्जैन

स्व.श्री पं. सिद्धनाथजी नागर, सखीपुरा, उज्जैन

स्व.श्री पं. बद्रीलालजी नागर नाकेदार, उज्जैन

स्व.श्री पं. कन्हैयालालजी नागर, भाटगली, उज्जैन

स्व.श्री पं. दुर्गाशंकरजी त्रिवेदी, खजराना, इन्दौर

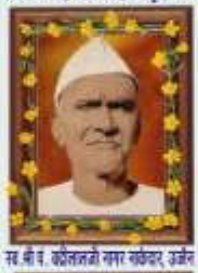

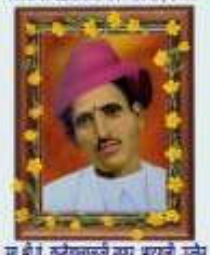

समाज के लिए इस धरोहर को सहेजने और संवारने में इन महान आत्माओं का अतुलनीय योगदान रहा है, हम सभी को नमन करते हैं।

स्व.श्री पं. गोवर्धनलालजी मेहता, उज्जैन

इतिहास

सन् 1937 में एक मकान के रूप में धर्मशाला हेतु हमारे पूर्वजों सर्वश्री पं. शंकरलाल जी रावल (खजराना) स्व. श्री पं. जगन्नाथ जी नागर (दड़ियावाले), स्व. श्री पं. गेंदालालजी मेहता, स्व. श्री पं. सिद्धनाथ जी नागर, स्व. श्री पं. बद्रीलालजी नागर (नाकेदार), स्व. श्री पं. कन्हैयालाल जी नागर (भाट गली) एवं स्व. श्री पं. दुर्गाशंकर जी त्रिवेदी ने हमें धरोहर एवं विरासत के रूप में सहेजकर प्रदान किया था। सत्तर के दशक में इस जीर्ण-शीर्ण मकान का धर्मशाला हेतु पुनर्निर्माण स्व. श्री पं. गोवर्धनलाल जी मेहता, स्व. श्री पं. मायारामजी जोशी, स्व. श्री पं. गोपीलालजी शर्मा, स्व. श्री पं. जानकीलालजी नागर, स्व. श्री पं. मांगीलालजी शर्मा (पटेल), स्व. श्री पं. रामरतनजी शर्मा, स्व. श्री सत्यनारायणजी नागर ने समाजजनों के सहयोग से किया था।

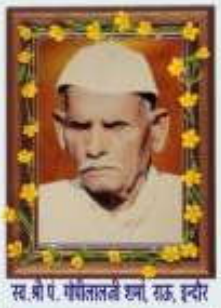

स्व.श्री पं. गोपीलालजी शर्मा, राऊ, इन्दौर

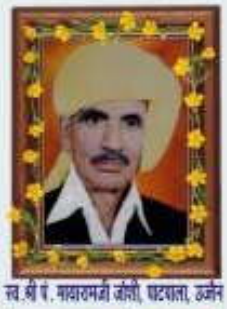

स्व.श्री पं. मायारामजी जोशी, पटपाला, उज्जैन

स्व.श्री पं. जानकीलालजी नागर, राऊ, इन्दौर

स्व.श्री पं. दुर्गाशंकरजी पटेल, लसुड़िया

स्व.श्री पं. मांगीलालजी शर्मा, सन्याखेड़ी, देवास

स्व.श्री पं. कृष्णवल्लभजी वैद्य, उज्जैन

स्व.श्री पं. विष्णुप्रसादजी नागर, उज्जैन

स्व.श्री पं. रामप्रसादजी रावल, उज्जैन

स्व.श्री पं. डॉ. रामरतनजी शर्मा, उज्जैन

स्व.श्री सत्यनारायणजी नागर, उज्जैन

चित्रमय झलकियां

सन् 1937 से मकान के रूप में बनी धर्मशाला से लेकर आज तक के चित्र

मकान के रूप में स्थित नागर धर्मशाला।

सन् 1971 में पुरानी मकानरूपी धर्मशाला का नवनिर्माण करने हेतु डिस्मेन्टल के समय निरीक्षण करते न्यास के अध्यक्ष स्व.श्री गोवर्द्धनलालजी मेहता, उपाध्यक्ष श्री मांगीलालजी शर्मा (पटेल), सचिव डॉ.रामरतनजी शर्मा

सन् 1978 नवनिर्माण के समय का चित्र।

भगवान हाटकेश्वर का पूजन करते पदाधिकारी गण।

चित्रमय झलकियां

न्यास मण्डल की बैठक में उपस्थित पदाधिकारी गण।

श्री हाटकेश्वर जयंती चल समारोह के अन्तर्गत भगवान हाटकेश्वर का पूजन करते न्यास के पदाधिकारी एवं समाजजन।

पौधा रोपण करते न्यास के पदाधिकारी गण।

चित्रमय झलकियां

पूर्व धर्मशाला के दृश्य...।

श्री हाटकेश्वर जयंती (2013) पर भगवान हाटकेश का अभिषेक पूजन करते न्यास के पदाधिकारी एवं समाजजन।

2013 में धर्मशाला के डिस्मेन्टल करने के पूर्व भगवान हाटकेश्वर का पूजन–अर्चन कर नवनिर्माण हेतु प्रार्थना करते न्यास पदाधिकारी।

चित्रमय झलकियां

पूर्व धर्मशाला को डिस्मेन्टल के समय पूजन करते न्यास पदाधिकारी गण।

सन् 2013 में धर्मशाला को डिस्मेन्टल के समय उपस्थित न्यास पदाधिकारी एवं ठेकेदार।

श्री हाटकेश्वर धाम के भूमि पूजन समारोह में उपस्थित समाजजन–आरती पूजन करते।

श्री हाटकेश्वर धाम का भूमि पूजन मातृ शक्तियों द्वारा किया गया। (चित्र उसी अवसर का)

भगवान हाटकेश्वर की असीम कृपा से

श्री हाटकेश्वर धाम निर्माण का सपना जो साकार हुआ

यह तो भगवान श्री हाटकेश्वर की असीम कृपा का ही फल है कि एक सपना जो न्यास मंडल ने देखा था वो अब साकार हो गया। गत 2 वर्ष पहले न्यास की मिटिंग में पुरानी धर्मशाला भवन के आधुनिकीकरण करने का निर्णय न्यास के पूर्व अध्यक्ष स्व.श्री डॉ.रामरतन जी शर्मा के साथ लिया गया था, परन्तु सिविल इंजीनियर की सलाह के कारण हमें इसको डिस्मेंटल कर नया बनाने पर विवश होना पड़ा। उसी समय न्यास मंडल ने सर्वानुमति से निर्णय लेकर साधारण सभा आयोजित कर इस प्रस्ताव को रखा और समाज द्वारा करतल ध्वनि से प्रस्ताव पारित हुआ।

न्यास का यह कर्त्तव्य था कि धर्मशाला उस समय जर्जर स्थिति में थी और कोई जनहानि नहीं हो इस सभी को ध्यान में रखकर समाजहित में सभी को अवगत कर आगे बढ़ने का प्रयास किया। साथ ही इस शर्त के साथ यह प्रस्ताव रखा था कि जब तक न्यास के बैंक खाते में 50 लाख की राशि इकट्ठा नहीं होगी, न्यास भवन डिस्मेंटल नहीं किया जावेगा। न्यास के सामने बड़ी विषम परिस्थिति एवं सिंहस्थ 2016 का लक्ष्य था।

न्यास ने भगवान हाटकेश से प्रार्थना कर आगे बढ़ने का प्रयास किया इसी बीच न्यास के अध्यक्ष श्री डॉ.रामरतनजी शर्मा का आकस्मिक देवलोकगमन हो जाना न्यास पर पहाड़ टूट जाने जैसा साबित हुआ। पश्चात न्यास के पुनर्गठन में श्री सुरेन्द्र मेहता सुमन को अध्यक्ष पद के लिये सर्वानुमति से मनोनीत किया गया। इनके साथ ही पूरी टीम ने इस कार्य को गति देने का प्रयास किया। इसी बीच भगवान हाटकेश की कृपा हुई और पूज्य गुरुदेव पं.श्री कमलकिशोरजी नागर महाराज से हमारी प्रथम भेंट पूज्य गुरुदेव के काकाश्री हरिवल्लभजी नागर के पगड़ी रस्म कार्यक्रम में हुई मैं एवं न्यास के अध्यक्ष सुरेन्द्र मेहता सुमन दोनों घर पर गये थे। वहाँ पर पूज्य गुरुदेव एक कक्ष में बैठे थे, हम दोनों ने धर्मशाला निर्माण की रूपरेखा और प्लान जो तैयार था उससे अवगत कराकर सहयोग का निवेदन किया था।

इसके पश्चात् पूज्य गुरुदेव उज्जैन

न्यास के अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र मेहता के सुपुत्र श्री संदीप मेहता के एक्सीडेंट हो जाने पर हाल-चाल पूछने दैनिक अवंतिका भवन में पधारे थे। साथ में श्री दीपक शर्मा जय हाटकेशवाणी श्री पवन शर्मा दैनिक चैतन्यलोक के साथ में न्यास के अध्यक्ष सुरेन्द्र मेहता सुमन, कोषाध्यक्ष श्री रामचन्द्र नागर भी थे हम सभी ने पूज्य गुरुदेव से धर्मशाला चलने और पूरी विस्तृत जानकारी प्राप्त कर गुरुदेव ने उस समय एक हाल जिसकी लागत लगभग उस समय 50-60 लाख की थी अपने पूर्वजों की स्मृति में बनाने का निर्णय प्रदान किया।

कुछ समय पश्चात पूज्य गुरुदेव अपने साथ इन्दौर से इंजीनियर ठेकेदार आदि को लेकर आये और पूरी निर्णाण कार्य की रुपरेखा तैयार कर दी। इसी संदर्भ में न्यास मंडल के साथ पूज्य गुरुदेव ने दो बार बैठक कर शीघ्र निर्माण कार्य करने का निर्णय बताया तथा भवन को शीघ्र डिस्मेंटल कर प्लेन जमीन तैयार कर नक्शा आदि पास करवाने की प्रक्रिया चालू की। दिनांक 17 जनवरी 2014 को इसका भूमि पूजन पूज्य गुरुदेव के आशीर्वाद के साथ मातृशक्तियों के कर कमलों द्वारा किया गया। इसके पश्चात् युद्ध स्तर पर कार्य चला और 1 वर्ष की अवधि में ही तीन मंजिला भवन तैयार हो गया। मैं यहाँ स्पष्ट करना चाहूँगा कि वास्तव में जिस प्रकार हाटकेश्वर धाम का निर्माण हुआ है, वह न तो न्यास न नागर समाज बना सकता था यह तो पूज्य गुरुदेव की कृपा ही थी।

निर्माण कार्य में पूज्य गुरुदेव एवं श्री पं.प्रभुजी द्वारा रात दिन लगकर आपके सानिध्य में श्री हाटकेश्वर धाम की निर्माणकर साज-सज्जा की गई। जो अब दिनांक 14 जून 2015 को पूज्य गुरुदेव के आशीर्वचन के साथ नागर समाज को लोकार्पित होने जा रही है। यह ऐतिहासिक धरोहर देश-प्रदेश के नागरजनों के लिये गौरव का विषय होगी। हम पूज्य गुरुदेव को श्री हाटकेश्वर धाम निर्माण के अतुलनीय योगदान के लिये कोटिशः नमन् करते हैं।

न्यासी सचिव- संतोष जोशी

न्यास मंडल आप सभी का आभारी है

दिनांक 14 जून 2015 नागर समाज के लिये गौरव का दिन होगा। जब समाज की ऐतिहासिक नवनिर्मित धरोहर श्री हाटकेश्वर धाम लोकार्पित होगी। सर्वप्रथम मैं हमारे इष्ट देवता भगवान श्री हाटकेश्वर, भूतभावन बाबा महाकाल, चिन्ता को हरने वाले चिन्तामण गणेशजी, माँ हरसिद्धि, पतित पावन पुण्य सलिला माँ क्षिप्रा के श्री चरणों में कोटिश नमन करता हूँ।

जिनकी कृपा से यह दुर्लभ कार्य पूर्ण हुआ पश्चात पूज्य गुरुदेव मालवमाटी के प्रवर संत पं. श्री कमलकिशोरजी नागर महाराज एवं इनके परिवार को नमन् करता हूँ इनकी कृपा के बिना यह कार्य असंभव था, जिन्होंने अपना तन-मन-धन सब न्यौछावर कर श्री हाटकेश्वर धाम का निर्माण अपने पूर्वजों की स्मृति में कर समाज को समर्पित किया। साथ ही यहाँ उन सभी महान आत्माओं को नमन् करते हैं जिन्होंने यह धरोहर हमारे लिये सम्भालकर रखी थी।

निर्माण कार्य के दौरान न्यास मंडल के साथ युवा टीम ने भी कंधे से कंधा लगाकर इस कार्य में अपना सहयोग प्रदान किया, हम आपके भी आभारी है- पं.जमना प्रसादजी पाठक (शुजालपुर वाले) श्री किरणकांत मेहता, श्री राकेश नागर, श्री जगदीश नागर, युवा साथी- श्री संजय जोशी, श्री मनीष मेहता, श्री संतोष मेहता, श्री कन्हैयालाल मेहता, पं. सतीश नागर, पं.अंकित नागर, श्री अमित नागर, श्री अतुल मेहता, श्री सूरज मेहता, श्री संदीप मेहता, श्री विशाल नागर, श्री प्रमोद नागर एवं श्री महेश नागर। हम श्री पवन शर्मा (दैनिक चैतन्य लोक) के हृदय से आभारी है, जिन्होंने पूज्य गुरुदेव एवं न्यास मंडल के बीच सेतुबंध का कार्य किया, पूज्य गुरुदेव ने श्री पवन शर्माजी को ही दोनों के बीच प्रतिनिधि के रूप में कार्य कर श्री हाटकेश्वर धाम निर्माण में अपना अमूल्य सहयोग प्रदान किया। श्री पवन शर्मा के इस सहयोग को हमेशा याद रखेंगे। हम आपके भी आभारी है। श्री दीपक शर्मा (जय हाटकेश वाणी) जिनके सहयोग से श्री हाटकेश्वर धाम निर्माण का प्रचार-प्रसार हुआ।

श्री दीपक शर्मा ने अपने वाहन से गाँव-गाँव जाकर दान राशि प्राप्त करने हेतु न्यास मंडल को सहयोग प्रदान किया हम आपके भी आभारी है। न्यास मंडल उन सभी दानदाताओं के भी आभारी है, जिन्हों स्वेच्छा से दान देकर समाज की इस धरोहर को चिरस्थायी बनाने में अपना सहयोग प्रदान किया। न्यास मंडल उन सभी सहयोग कर्ताओं का भी आभारी है, जिन्होंने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से श्री हाटकेश्वरधाम निर्माण में सहयोग प्रदान किया, जिनके नामों का उल्लेख नहीं कर पाये, क्योंकि भूल से किसी का नाम रह जायेगा तो हमें तकलीफ होगी। हम एक बार पुनः उन सभी का भी हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। अतः हम भगवान हाटकेश्वर से यही प्रार्थना करते हैं कि हमें इतनी शक्ति प्रदान करना कि हम समाजसेवा में निर्बाध रूप से आगे बढ़ते जाये और सिंहस्थ 2016 में समाजजनों की सेवा कर सके। आप सभी के आशीर्वाद और सहयोग की अपेक्षा में। **-न्यास मंडल**

न्यास मंडल

अध्यक्ष
सुरेन्द्र मेहता 'सुमन'
0734-2554455 / 98276-77778

उपाध्यक्ष
अशोक पटेल
98273-98235

उपाध्यक्ष
डॉ.नरेन्द्र नागर
0734-2550878 / 94068-22475

सचिव
संतोष जोशी
94259-17541 / 99934-10755

सहसचिव
दीपक शर्मा
0731-2450018 / 94250-63129

कोषाध्यक्ष
रामचंद्र नागर
0734-2561854 / 98277-40433

न्यासी सदस्य
वासुदेव त्रिवेदी
97524-38121

न्यासी सदस्य
बाबूलाल शर्मा
07272-250200

न्यासी सदस्य
मोहन भट्ट
98268-35002

न्यासी सदस्य
सुरेश रावल
91792-43055 / 94068-01222

न्यासी सदस्य
गिरजाशंकर नागर
0731-2856236 / 96695-62433

न्यासी सदस्य
विजयप्रकाश मेहता
07366-238367 / 98270-85738

घोषणा वाले दानदाताओं से विनम्र अपील

नागर समाज के उन सभी दानदाताओं से पुनः एक बार अंतिम निवेदन है कि आपने अपनी स्वेच्छा से श्री हाटकेश्वर धाम निर्माण में दान देने की घोषणा की थी, जिसे काफी समय हो गया, अभी तक राशि जमा नहीं की है। आपसे निवेदन है कि आप यह घोषणा की राशि लोकार्पण समारोह के पूर्व जमाकर देवें। ताकि दानदाताओं की सूची प्रकाशन को हम अंतिम रूप प्रदान कर सके।

निवेदक-सचिव, न्यास मंडल

सादर आमंत्रण

श्री हाटकेश्वर धाम लोकार्पण एवं प्रतिमा अनावरण समारोह दिनांक 14 जून 2015 को देश-प्रदेश के सभी नागरजनों को आमंत्रित करने का निर्णय लिया गया है। कार्यक्रम के आमंत्रण सभी को प्रेषित किये जा रहे हैं। न्यास का निवेदन है कि किसी भी कारणवश आमंत्रण नहीं मिले, आप इसी को आमंत्रण मानकर इस भव्य कार्यक्रम में सपरिवार पधारें। यही विनति है। यह कार्यक्रम आपका अपना है।

-न्यास मंडल

प्राण प्रतिष्ठा एवं वास्तु पूजन सम्पन्न

श्री हाटकेश्वर धाम नवनिर्माण के पश्चात दिनांक 1 मई 2015 को पूज्य गुरुदेव के आशीर्वाद से शुभमुहुर्त में श्री हाटकेश्वर महादेव परिवार श्री राधाकृष्ण भगवान श्री नृसिंह मेहताजी की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा एवं श्री हाटकेशधाम का वास्तुपूजन विद्वान पंडितों के आचार्यत्व में सम्पन्न हुआ। महाआरती में न्यास मंडल के साथ श्री हाटकेश देवालय न्यास, म.प्र. नागर परिषद् के पदाधिकारी मातृ शक्तियाँ एवं समाजजन उपस्थित थे। श्री हाटकेश धाम के कमरों की चाबियां पूज्य पं. प्रभूजी नागर द्वारा भगवान श्री हाटकेश को अर्पण कर दी गई।

प्रभू ने प्रभू को चाबी भेंट की।

श्री हाटकेश धाम निर्माण में दानराशि भेंट

1. श्री कृष्णकांत रमाशंकरजी मेहता - जवाहर नगर, उज्जैन (1) कमरा निर्माण पेटे (1,25,000/-) - 50,000/- नगद जमा
1. श्री शिवजी जोशी- राऊ, कमरा निर्माण पेटे 1,25,000/- (25,000+26,000) = 51,000/- नगद जमा
2. श्री आयुष-शांतिलालजी नागर, उज्जैन (बेरछा वाले) - 11,000/-
3. श्री रमेशचन्द्र मेहता - रणजीत हनुमान, उज्जैन - 1101/-
4. श्री रामजी (गुप्तदान) - उज्जैन - 11,000/-
5. श्री हेमन्त शर्मा - राऊ - 5000-1000 पूर्व में) - 4000/-
6. श्री मोहनजी नागर श्री डॉ.राजेन्द्र नागर (सुपुत्र-बाबूलालजी नागर (बेगमपुरा) उज्जैन),
   श्री चन्द्रशेखर नागर सुपुत्र- जानकीलाल नागर, मुम्बई द्वारा स्व.श्री बद्रीनारायणजी नागर नाकेदार साहब संस्थापक नागर हरसिद्धिपाल धर्मशाला की स्मृति में 11,000/-
6. श्री कमलकिशोर नागर, स्व. श्री मांगीलालजी नागर की स्मृति में - 25,000/-
7. श्री कृष्णकांतजी शुक्ल, उज्जैन - (1 पंखा, 12 मूव लाईट) राशि 2,000/-
8. श्री नंदकिशोर नागर - इटावा - 5000/- नगदी जमा
   स्व. पिताश्री मांगीलालजी नागर की स्मृति में)
9. श्री शिवेशचन्द्र त्रिवेदी (भूतेश्वर वाले) ब्राह्मण गली, उज्जैन - घोषणा 11,000/-, नकद जमा- 5000/-
10. श्री दिलीप मनुभाई मेहता एक पंखा
11. श्री शंकरलालजी नागर बाड़ोली- घोषणा 51,000/-, नगदी जमा- 31,000 = 20,000/-
12. श्री मनोज नागर देवास- घोषणा 5000/-, नगदी जमा- 2000/-
13. श्री मणीशंकरजी नागर मक्सी- नगदी जमा- 5001/-
14. श्री प्रकाशजी पौराणिक देवास- नगदी जमा- 3000/-

श्री हाटकेश्वरधाम लोकार्पण समारोह हेतु दानराशि भेंट

1. श्री मोहनजी भट्ट - (पूजारी गणेश मंदिर) - 5000/-
2. श्री नवीन सत्येशजी नागर - इन्दौर - 1 क्विंटल शक्कर
3. श्री जमनाप्रसाद पाठक शुजालपुर वाले (आधा क्विंटल शक्कर)

स्थानाभाव के कारण दानदाताओं की सूची
एवं फोटो अगले अंक में प्रकाशित किये जावेंगे ।

श्री मोहन नागर

श्रीमती रेणुका नागर

डॉ.राजेन्द्र नागर, प्रोफे. बी.एल. नागर, सौ.सरयूदेवी नागर,
प्रिंसीपल मोहन नागर, बेगमपुरा मार्ग, उज्जैन

श्री कृष्णकांत रमाशंकर मेहता परिवार उज्जैन

सम्पादक वाणी का शेष भाग

ऐसे कार्यक्रमों की बिल्कुल भी आलोचना न की जा कर यह माना जावे कि सामूहिक कार्यक्रम पूरे समाज का है, प्रत्येक व्यक्ति का है। इसी बात का दूसरा पहलू यह भी है कि ऐसे आयोजन के व्यवस्थापक एवं पदाधिकारी भी आलोचना से विचलित न होते हुए अपने कार्य में जुटे रहें। क्योंकि वे समाजोत्थान के एक बड़े अभियान से जुड़े हैं। 100 में से 99 व्यक्ति आपकी प्रशंसा भी तो कर रहे हैं। एक व्यक्ति की आलोचना से विचलितता कैसी? यदि लगातार कार्यक्रम होंगे तो प्रत्येक कार्यक्रम की त्रुटि को अगले कार्यक्रम में सुधार किया जा सकेगा। याद रहे कि समाज के वृहद सामूहिक कार्यक्रम सम्पूर्ण समाज को लाभान्वित करते हैं। ये यदि सफलता पूर्वक सम्पन्न होते हैं तो उसका श्रेय सबको जाता है, क्योंकि आयोजन में सबका सहयोग होता है, किसी का तन से, मन से, या धन से। यदि सफलता का श्रेय सबको है तो किसी भी प्रकार की अव्यवस्था का दोष भी पूरे समाज को ही झेलना पड़ेगा। अतः हमारा विनम्र निवेदन है कि आलोचना के बजाय समाज को संगठित एवं समृद्ध बनाने के अभियान में सभी सहयोगी बने।

-संगीता दीपक शर्मा

रुकावट के लिए खेद हैं....

जून 2015 अंक श्री हाटकेश्वर धाम उज्जैन को समर्पित किए जाने से स्थानाभाव के कारण कई पाठकों की रचनाएं प्रकाशन से वंचित रह गई है। हमारा प्रयास रहेगा कि आगामी जुलाई अंक में हम उन रचनाओं को समाहित कर सकें ।

सम्पादक

वाणी में लेखन से मिली पहचान

जय हाटकेशवाणी की बढ़ती लोकप्रियता और उच्च गुणवत्ता के लिए आपको और आपकी पूरी टीम को बधाई। 'वाणी' ने मुझे नई पहचान दी है। इसी के माध्यम से समाजजन मुझे पहचानने लगे हैं और जब भी मेरा लेख प्रकाशित होता है तो मुम्बई एवं कई स्थानों से मुझे प्रतिक्रिया प्राप्त होती है। इसके लिए मैं आपकी कृतज्ञ हूँ। इस पत्रिका का प्रचार करना भी मैं अपना कर्त्तव्य समझती हूँ। मेरे लेख नियमित रूप से प्रकाशित करने के लिए धन्यवाद। वाणी के मार्च अंक में प्रकाशित श्री ए.के. रावल के लेख 'योग से थायराईड ग्रंथी में लाभ' काफी रोचक और ज्ञानवर्द्धक लगा। उसके लिए धन्यवाद। इसी प्रकार डायबीटिज, उच्च रक्तचाप, मानसिक तनाव व रोगों के लिए भी अगर उचित प्राणायाम व योगासन के बारे में पत्रिका के माध्यम से सूचित किया जाए तो पाठकगण उसका लाभ ले पाएंगे।

-उषा ठाकोर, मुम्बई, मो. 9833181575

संतोषजनक वर्तमान, उत्कृष्ट भविष्य

जय हाटकेश वाणी के अंक नियमित प्राप्त हो रहे हैं। सभी अंक आकर्षक व सुनियोजित, आध्यात्मिक, सामाजिक नवीन एवं वर्तमान विचारधारा के लेखों से परिपूर्ण है। आप सबका परिश्रम फलीभूत हो रहा है। ईश्वर से प्रार्थना है कि भविष्य में यह और भी अधिक उत्कृष्ट एवं उपयोगी हो। कृपा कर सूचित करिएगा कि वर्तमान वातावरण से जुड़ी हुई कहानियां तथा लेख आप प्रकाशन के लिए उचित मानती हैं अथवा नहीं? यदि स्वीकृति हो तो हमारी लिखी सामग्री भेजने का यत्न करेंगे। अवनीन्द्र नागर भुवनेश्वर मो. 07504887821 ।

भेजिए- मासिक जय हाटकेश वाणी में आप सभी प्रकार की प्रकाशन सामग्री भेज सकते हैं। विविध प्रकार की सामग्री को बहुरंगों से सजाकर इसे हम आकर्षक बनाना चाहते हैं, समाज के लेखकों एवं नवलेखकों को प्रोत्साहित करना ही हमारा खास उद्देश्य है। जब पाठकों द्वारा भेजी गई प्रकाशन सामग्री का 'वाणी' में समावेश होता है तो उनका जुड़ाव भी बढ़ता है तथा 'वाणी' का इंतजार भी।

सम्पादक

अन्ततः समाज का नाम रोशन किया

पद्मश्री आलोक मेहताजी से एक मुलाकात

जब कोई व्यक्ति शिखर तक पहुँचता है तो आमतौर से लोग उसके बारे में कई भ्रांतियां पाल लेते हैं। वास्तविकता का पता तभी चलता है, जब हम उस व्यक्ति से मिलते हैं, बात करते हैं, ऐसा ही मौका मुझे मिला- दिल्ली प्रवास के समय मैंने वरिष्ठ पत्रकार पद्मश्री आलोक मेहता से मुलाकात का समय मांगा, उस दिन रविवार था, उन्होंने घर बुलाया।

दोपहर दो से ढाई घंटे मैं उनके साथ रहा तथा जाना कि मनुष्य यूं ही बड़ा नहीं हो जाता, उसके आदर्श, सिद्धांत एवं गुण उसे बड़ा बनाते हैं। देश के विख्यात पत्र-पत्रिकाओं में सम्पादन करने वाले श्री मेहता व्यक्तिगत रूप से अत्यंत सुलझे हुए इंसान है। उनसे चर्चा के दौरान ये तथ्य उजागर हुए कि निडरता और निष्पक्षता के लिए स्वयं का बेदाग होना जरुरी है तथा सुधार की शुरुआत हमेशा स्वयं से होना चाहिए।

आजकल टी.वी. के ज्यादातर न्यूज चैनलों में किसी विषय पर परिसंवाद या पक्ष-विपक्ष की चर्चा होती है तो उसमें आलोकजी का चेहरा प्रमुख रहता है। लिखने और दिखने के अलावा वरिष्ठ पत्रकार होने के नाते उन्हें देश के कर्णधारों से मिलने का भी अक्सर मौका मिलता है, वे वरिष्ठ नेता जिनमें भले ही प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भी क्यों न हो, यदि अपने कार्य या योजनाओं के बारे में पूछेंगे तो आलोकजी उन्हें निष्पक्ष एवं निडर होकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं उन्हें लल्लो-चप्पो पसन्द नहीं।

उज्जैन जैसे छोटे शहर से पत्रकारिता की शुरुवात कर आज देश के दिल दिल्ली में स्थापित श्री आलोक मेहता ने पत्रकारिता को नए आयाम दिए हैं उन्होंने 'पत्रकारिता की लक्ष्मण रेखा' खींचकर नवपत्रकारों को भी मार्गदर्शन दिया है। श्री मेहताजी ने नागर समाज में सक्रिय न होने के बारे में बताया कि पूज्य पिताजी ने सदैव कहा कि तुम अपने काम पर ध्यान दो, जाति-समाज का काम मुझ पर छोड़ दो।

पिता के समर्पण एवं पुत्र की कर्त्तव्य परायणता का ही परिणाम है कि आज पद्मश्री आलोक मेहताजी सम्पूर्ण नागर समाज का गौरव है। वे दिल्ली में नागर समाज के प्रतिनिधि हैं उनकी बेबाकी से सारे नेता कांपते हैं। अच्छे को अच्छा तथा बुरे को बुरा कहने में उन्हें कोई गुरेज नहीं।

-दीपक शर्मा

देश के विख्यात पत्र-पत्रिकाओं में सम्पादन करने वाले श्री मेहता व्यक्तिगत रूप से अत्यंत सुलझे हुए इंसान है। उनसे चर्चा के दौरान ये तथ्य उजागर हुए कि निडरता और निष्पक्षता के लिए स्वयं का बेदाग होना जरुरी है तथा सुधार की शुरुआत हमेशा स्वयं से होना चाहिए।

शून्य से शिखर तक

नागर गौरव

श्री आर.के. त्रिवेदी

हाल ही में मुझे समाज के कार्य के लिए दिल्ली जाने का अवसर मिला, जहाँ मेरी मुलाकात श्री राजेन्द्र तिवारी से हुई जो कि भारत सरकार, कृषि मंत्रालय में उपायुक्त (गुणवता नियंत्रण) तथा निदेशक, राष्ट्रीय बीज अनुसंधान परिक्षण केन्द्र वाराणसी के पद पर कार्यरत हैं। यह मेरा उनसे पहला सम्पर्क था। उच्च कद, सुडौल शरीर के चेहरे पर गंभीरता के साथ हल्की मुस्कान उनके व्यक्तित्व का एक अंग है। वार्तालाप के दौरान यह ज्ञात हुआ कि उनका प्रारंभिक जीवन महू-इन्दौर से शुरु हुआ। उनके दादाजी श्री गौरी शंकर त्रिवेदी भुतेश्वर जिला देवास के जागीरदार थे और पिता श्री विश्वनाथ त्रिवेदी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी व सामाजिक कार्यकर्ता थे उनके नानाजी श्री सिद्धनाथजी शास्त्री प्रसिद्ध सामुद्रिक ज्योतिषी व झोंकर ग्राम के रहने वाले थे।

श्री राजेन्द्र त्रिवेदी ने चार विषयों में स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त की। उन्होंने जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर से पौध प्रजनन व आनुवांशिक विषय में आनर्स के साथ उत्तीर्ण कर विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। उन्होंने अपनी नौकरी की शुरुआत इसी विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापक के तौर पर शुरु की थी। उसके बाद उन्होंने संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा उत्तीर्ण करके कृषि मंत्रालय में ग्रुप 'ए' के पद पर शुरुआत की। उसके तुरंत बाद कोलम्बो प्लान में स्कॉलरशीप प्राप्त कर न्यूजीलैंड की मैसी युनिवर्सिटी से 'बीज विज्ञान व प्रौद्योगिकी' में स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त की। उन्होंने WIPO स्विटजरलैंड से IPR में भी विशेषज्ञता हासिल की। उन्होंने प्रबंधन में स्नातकोत्तर शिक्षा व दिल्ली विश्वविद्यालय से कानून की उपाधि भी प्राप्त की है।

उन्होंने भारत सरकार में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है जैसे कि विशेष कार्य अधिकारी (वर्ल्ड बैंक समर्थित राष्ट्रीय बीज परियोजना) सहायक आयुक्त (बीज) उपायुक्त (बीज गुणवत्ता) रजिस्ट्रार (पीपीवी.एफ. आर.ए.) तथा निदेशक (वाराणसी)। श्री त्रिवेदी ने कई पुस्तकें व लेख लिखे हैं उनके द्वारा लिखी गई Indian Minimum Seed Certification Standard किताब देश में बीज प्रमाणीकरण के लिए दिशा निर्देश का काम करती है। उन्होंने संयुक्त राज्य संघ की संस्था FAO की तरफ से नाईजीरिया के लिए 'Seed Training Manual' तैयार किया। उनकी अन्य प्रमुख पुस्तकें है OECD Varietal certification in India of Compendium on seeds Legislation.

श्री त्रिवेदी ने संयुक्त राष्ट्र संघ की संस्था FAO में भी 2 वर्ष तक विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया है। उन्होंने कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों व गोष्ठियों में देश का प्रतिनिधित्व किया। उन्हें कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में बीजों के क्षेत्र में विशेष कार्य करने के लिए सम्मानित भी किया है। इन्होंने सभी प्रमुख महाद्वीपों के 45 से अधिक देशों में बीजों के क्षेत्र के विकास के लिए भ्रमण किया है।

श्री आर.के. त्रिवेदी नागर समाज के गौरव है।

-नवीन नागर

उन्होंने कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों व गोष्ठियों में देश का प्रतिनिधित्व किया। उन्हें कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में बीजों के क्षेत्र में विशेष कार्य करने के लिए सम्मानित भी किया है। इन्होंने सभी प्रमुख महाद्वीपों के 45 से अधिक देशों में बीजों के क्षेत्र के विकास के लिए भ्रमण किया है।

माँ अम्बामाता की रात्रिपूजा का भव्य आयोजन

नागरों की कुलदेवी माँ अम्बाजी (आबूरोड़ रेलवे स्टेशन से 25 कि.मी.) की रात्रि पूजा का भव्य आयोजन समग्र गुजरात नागर परिषद् (महामंडल) के तत्वावधान में 10 से 14 अप्रैल 2015 तक बड़े ही धार्मिक और आनंदमय वातावरण में सम्पन्न हुआ।

माँ अंबाजी का मंदिर अपना नागर जाति का ही है, किन्तु वर्तमान में इसका प्रशासन गुजरात राज्य के तहसीलदार पद के प्रशासनिक अधिकारी द्वारा किया जाता है। यहाँ नागर जाति को दो अधिकार मिले हुए हैं- (प्रथम) माताजी को भोग लगाने के लिए थाल अर्पण का अधिकार जो केवल नागर जाति को ही प्राप्त है। (दूसरा) माताजी के निज मंदिर में जाकर माताजी के गौरव को मस्तक लगाकर तथा चरण पादुकाओं को मस्तक पर लगाकर आशीष प्राप्त करने का अधिकार। ये दोनों लाभ नागर जाति के लोग रात्रिपूजा द्वारा ही प्राप्त कर सकते हैं। इस वर्ष चैत्र नवरात्रि के पश्चात 10 से 14 अप्रैल तक यह आयोजन किया गया। बड़े हर्ष का विषय है कि इस आयोजन में भाग लेने वाले जाति बंधुओं की संख्या प्रतिवर्ष बढ़ रही है। इस वर्ष 15-16 सौ जातिजन देशभर से पधारे। मुख्य रूप से गुजरात, मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तर भारत, महाराष्ट्र से। सभी मेहमानों के निवास की व्यवस्था माढ़ एवं धर्मशालाओं में की जाती है तथा फलाहार एवं भोजन उपलब्ध करवाया जाता है।

मध्यप्रदेश से पधारे जातिजनों की प्रोत्साहक उपस्थिति तथा फलाहार-थाल-माढ़ के रिपेरिंग कार्यों आदि के लिए दिये गये योगदान उल्लेखनीय है। मध्यप्रदेश नागर ब्राह्मण परिषद के अध्यक्ष श्रीमान राजेश भाई त्रिवेदी, इन्दौर, श्री महेन्द्र भाई नागर, इन्दौर चांचोडा परिवार, श्रीमान किरणकान्तजी मेहता तथा उनकी बहिन श्रीमती शशिकला बेन रावल उज्जैन द्वारा सभी के लिये 13 एवं 14 अप्रैल 2015 को फलाहार तथा थाल की व्यवस्था की गई तथा माढ़ के रिपेरिंग हेतु वित्तीय सहायता दी गई जो अत्यन्त प्रशंसनीय है। मध्यप्रदेश से पधारे विशिष्ट मेहमान श्रीमान राजेश भाई त्रिवेदी (टमटा) अध्यक्ष मध्यप्रदेश नागर ब्राह्मण परिषद् इन्दौर, श्रीमान राजेन्द्र नागर महासचिव राष्ट्रीय नागर ब्राह्मण प्रतिष्ठान दिल्ली, श्रीमान हेमन्त भाई त्रिवेदी, उज्जैन तथा डॉ.श्रीमती नीरुपमा बेन नागर इन्दौर का आयोजकों द्वारा मोमेन्टो अर्पण कर सम्मान किया गया। रात्रिपूजा में भाग लेने वाले व्यक्तियों को संस्था की ओर से अंबामाता परिसर में विराजमान माताजी की मूर्तिवाला स्मृति चिन्ह भेंट स्वरूप दिया गया।

माँ अंबामाताजी के प्रांगण में एक उत्कृष्ठ कार्य यह हुआ कि श्रीमान नरेशभाई राजा, अध्यक्ष समग्र गुजरात नागर परिषद् (महामंडल) अहमदाबाद द्वारा श्री जनकभाई राजा, कोषाध्यक्ष परिषद् अहमदाबाद तथा (2) श्री रश्मिकांत भाई पी. पाटक भावनगर श्री राष्ट्रीय नागर ब्राह्मण प्रतिष्ठान दिल्ली के मंत्री एवं राष्ट्रीय जनसम्पर्क अधिकारी है का मोमेन्टों भेंट कर विशिष्ट सम्मान किया गया। बाद में अपने व्यक्तत्व में श्रीमान नरेश भाई ने बताया कि श्रीमान रश्मिन भाई मध्यप्रदेश और गुजरात के जाति बन्धुओं के बीच एक 'सेतु' का कार्य करते हैं तथा रात्रि पूजा कार्यक्रम की सम्पूर्ण अवधि में उपवास कर व्यवस्था संबंधी महत्वपूर्ण कार्य करते हैं।

चांचोड़ा नागर परिवार (मध्यप्रदेश) द्वारा समग्र गुजरात नागर परिषद् के अध्यक्ष श्रीमान नरेश भाई राजा, गांधी नगर (गुजरात) के श्री सुभाष भाई भट्ट तथा (3) भाव नगर के श्री रश्मिकांत भाई पाठक का गणेशजी का चित्र भेंट कर सम्मान किया गया। इससे आयोजकों का उत्साह बढ़ेगा।

इस आयोजन के सफल संचालन का श्रेय श्रीमान नरेश भाई राजा एवं उनके परिवारजनों को है तथा कार्यकर्ताओं की टीम के अनवरत परिश्रम से यह संभव हुआ। प्रतिवर्ष अधिकाधिक संख्या में जातिबन्धु रात्रिपूजा के इस पवित्र कार्यक्रम में सम्मिलित हो यह माँ अम्बा से प्रार्थना तथा आयोजकों की महेच्छा है।

रश्मिकांत पी. पाठक

अम्बामाता की ऐतिहासिक यात्रा

चाँचौड़ा परिवार के साथी पिछले कुछ समय से यह विचार कर रहे थे कि परिवार के अधिक से अधिक सदस्यों के साथ माँ अम्बे के दर्शन के लिए जाया जाय और सदस्यों के निर्णय लेने के पश्चात् दिनांक 12 अप्रैल 2015 की रात्रि को परिवार के 30 सदस्य बस द्वारा इस ऐतिहासिक व पुण्य यात्रा के लिए रवाना हुए। हंसते-गाते व माँ अम्बे को स्मरण करते हुए अम्बे माँ के द्वार तक की यात्रा संपन्न हुई व प्रातःकाल हम लोगों ने माँ अम्बे की पावन भूमि पर कदम रखा।

समग्र गुजरात नागर परिषद् व म.प्र. नागर समाज के तत्वावधान में 13 अप्रैल 2015 को श्री अंबा माताजी की रात्रि पूजा का आयोजन किया गया। लगातार कई वर्षों से इस रात्रि पूजा का लाभ अधिक से अधिक नागर जनों ने लिया है। श्री अम्बा माता मंदिर के गर्भगृह में रात्रि 9 से 12 तक पूजन का सौभाग्य हम सभी नागरजनों को मिला। यह बहुत ही विलक्षण क्षण या जीवन में ऐसे अवसर बिरले ही आते हैं। इस आयोजन में दोपहर को फलाहार एवं रात को थाल प्रसाद की व्यवस्था बहुत ही व्यवस्थित रखी गई थी। इस व्यवस्था में कई समाजजनों ने सहयोग दिया। इस कार्यक्रम में न सिर्फ गुजरात बल्कि इन्दौर, उज्जैन सहित मध्यप्रदेश के कई नागरजन इस रात्रि पूजा में भाग लेने आए थे। ये आयोजन वर्षों वर्ष होता रहे एवं समाजजनों का सहयोग मिलता रहे ऐसी प्रार्थना है। अम्बाजी टेम्पल टाउन बनासकांठा जिले में स्थापित है और देशभर के 51 शक्ति पीठों में से एक हैं। यह मन्दिर नागर समाज की कुलदेवी का विख्यात मन्दिर है। जिससे लगी हुई कई धर्मशालाएँ हैं जहां बाहर से आए हुए नागर बंधु ठहर सकते हैं। पूजन के लिए पुरुषों को पीताम्बर, जनेऊ और महिलाओं को सिल्क साड़ी ब्लाउज धारण करना अनिवार्य है, तभी आप गर्भगृह में प्रवेश कर पूजन कर सकते हैं। हमारी धर्मशालाओं में रुकने के लिए हमारी पहचान बतानी पड़ती है तथा अनुमति पत्र प्राप्त करना होता है। यहा से तीन किलोमीटर दूर गब्बर पहाड़ी है वैसे तो पहाड़ी पर चढ़ने में 1 घंटा करीब लगता है, परन्तु सन् 1998 में अम्बाजी उड़नखटोला का निर्माण किया गया, जिससे यह चढ़ाई मात्र 5 मिनट में पूरी हो जाती है। इस पहाड़ी पर माताजी की चरण पादुका और श्री यन्त्र स्थापित है। इसे प्राचीनतम माना जाता है।

माँ अम्बे की पूजा के पश्चात अगले दिन दिनांक 14 अप्रैल को प्रातः वापसी यात्रा प्रारंभ कर रात्रि को इन्दौर पहुँचे। यह यात्रा अपने आप में ऐसी ऐतिहासिक रही व सदस्यों को अलौकिक आनन्द की अनुभूति हुई और अंत में सभी परिवारजनों का बहुत-बहुत साधुवाद जिन्होंने इस यात्रा को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। सदस्यों के नाम इस प्रकार हैं- महेन्द्र नागर, मनमोहन-रजनी नागर, सोहन-कुमुद नागर, कमलकान्त-सुधा मेहता, संजय-निरुपमा नागर, राजेश-ज्योति त्रिवेदी, मुकेश-ऊषा त्रिवेदी, कृष्णकान्त-सुनीता मेहता, रागिनी-दीपक मंडलोई, अरुण-सावित्री व्यास, अनिलकान्त-मधु नागर (मथुरा), अनिल नागर-अनुराधा नागर, मनोहर-सुषमा, खुशी नागर।

वैसे तो इस यात्रा को सफल बनाने में सभी का सहयोग रहा। पर विशेषरुप से राजेश त्रिवेदी (टमटा) व अनिल नागर (शाजापुर) के प्रयास इस यात्रा को सफल बनाने में सराहनीय है।

-सोहन नागर
19/6, मनोहरमा गंज, इन्दौर
मो. 9827007872

बाँसवाड़ा के पाटोत्सव की बात निराली

हे देवाधिदेव हाटकेश बाबा,
तमारे चरण माँ अमारु प्रणाम।
तमारा वरदान हस्त थी सुख पाता।
तमारी कृपा थी नागर कुल नु नाम ।।

फागुन के रंग फीके पड़ने से पूर्व ही बाँसवाड़ा के वडनगरा नागर समाज-जनों के दिलों में हाटकेश्वर पाटोत्सव कार्यक्रम के रंग और उमंग छाने लगती है। चैत्र प्रतिप्रदा से ही हाटकेश्वर मंदिर श्रृंखलाओं में स्थित माँ ज्वाला के दरबार में रात्रि नित्य महा-आरती होती है। इसी दौरान हाटकेश्वर पाटोत्सव की चर्चाओं, रूप-रेखाओं का अंतिम रूप दिया जाता है।

इस बार पाटोत्सव कार्यक्रम रामनवमी से ही प्रारंभ हो गए। प्रथम दिवस सुन्दर काण्ड की संगीतमय प्रस्तुति श्री हाटकेश झा, प्रशांत दवे के मधुर स्वरों में उपस्थित सैकड़ों समाज-जनों ने आनंद लिया। अगले दिवस रविवार को सायं 6 बजे से भक्त रणछोड़राय द्वारा रचित दुर्गा सप्तशती पर आधारित 'तेरह गरबो' का गायन भाई श्री उपेन्द्र याज्ञिक द्वारा किया गया, इस कार्यक्रम में भारी भीड़ और समवेत स्वर में गरबों का गायन किया।

सोमवार को बच्चों के मनोरंजनार्थ 'फन-फेयर' कार्यक्रम रखा गया, विभिन्न युवा-युवतियों के ग्रुप द्वारा सु-स्वाद व्यंजन, मोक्टेल, खमण, पेटिस, सब्जी-पुड़ी आदि के स्टॉल लगाए गये। देखते ही देखते दो घण्टों में साफ हो गए।

मंगलवार 31 मार्च को बाबा भोले नाथ का मनोहारी श्रृंगार किया गया, नित्य महाआरती के पश्चात ख्यातनाम भजन गायक डॉ.राजेश जोशी द्वारा 'शिव माला' के विभिन्न स्त्रोत का गायन किया एवं अपनी मधुर वाणी के जादू से श्रोताओं को मंत्र-मुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के पश्चात् जल-पान की व्यवस्था भी की गई।

बुधवार एक अप्रैल को अमृत महोत्सव, सांस्कृतिक संध्या तथा प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सायं 6 बजे रुद्राभिषेक प्रारंभ हुआ, जिसमें समाज-जनों ने रुद्री पाठ का वाचन किया, इसी दौरान बाबा भोलेनाथ का श्रृंगार हो रहा था, रुद्री के पश्चात् आरती, भजन तत्पश्चात् समाज के 75 वर्ष से अधिक हुए बुजुर्ग समाज-जनों के सम्मानार्थ 'अमृत महोत्सव' में उन्हें शाल ओढ़ा, श्रीफल भेंट कर समाज में उनके सराहनीय योगदान के लिये अभिवादन किया। उसके बाद प्रारंभ हुई सांस्कृतिक संध्या में छोटे से लेकर 20 वर्ष तक के युवा कलाकारों द्वारा एक से बढ़कर एक नृत्य, गीत, नाटक आदि प्रस्तुत कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। इसी दौरान विभिन्न प्रतिभाशाली युवाओं-बच्चों को समाज के अध्यक्ष श्री दिलीप दवे द्वारा पारितोषिक वितरित किये गए।

पाटोत्सव की पूर्व संध्या को 8 बजे प्रतिदिन की भांति आरती उतारी गई और तत्पश्चात् गरबा नृत्य का कार्यक्रम प्रारंभ हुआ, जिसमें युवतियों और महिलाओं ने पारम्परिक वेशभूषा में सज-धज कर गरबा नृत्य का आनंद लिया।

हाटकेश्वर पाटोत्सव प्रातः 5 बजे से ही बाबा हाटकेश्वर के जलाभिषेक के लिए भक्तों का आना प्रारंभ हो गया, साढ़े पांच बजे प्रभात-फेरी निकाली गई जो नागरवाड़ा के विभिन्न मोहल्लों में ॐ नमः शिवाय की धून गाते हुए पुनः हाटकेश्वर मंदिर पहुँची, जहाँ आतिशबाजी की गई। पूरे नागरवाड़ा में घर से बाहर दीपक, तोरण सजाए गए थे, जो दिवाली सा आभास दे रहे थे। सुबह 8 बजे से महाआरती हेतु भक्तगण जुटना प्रारंभ हो गए। 8.30 बजे पर आरती प्रारंभ हुई, समवेत स्वरों में भक्तों ने आरती गाकर वातावरण को शिवमय बना दिया। महा-प्रसादी में समाज-जनों को निमंत्रित करने

की अनूठी 'नौतरा' परंपरा का निर्वहन करने हेतु समाज के आचार्य श्री इंद्रशंकर झा के सानिध्य में बड़ी संख्या में युवाओं-युवतियों व बच्चों ने घर-घर जाकर महाप्रसादी हेतु आमंत्रण दिया। दोपहर में षडोपचार पूजन आचार्य श्री इंद्रशंकर झा एवं विभिन्न वेदों के ज्ञाता आचार्यों द्वारा करवाया गया। बाबा हाटकेश्वर की सवारी को सजाना प्रारंभ हो गया था। युवा टीम द्वारा बड़ी मेहनत से वरधोड़ा सजाया गया। जो सायं 6 बजे शहर में भ्रमण हेतु निकाला गया। रंग-बिरंगी लाईटों से सजा आकर्षक वरधोड़ा, युवा-युवतियों की मदमस्त टोलियां जो विभिन्न भजनों पर थिरक रही थी। शोभा यात्रा मार्ग में जगह-जगह ठण्डे जल, शीतल-पेय आदि की व्यवस्था की गई थी। विभिन्न चौक पर गरबा नृत्य का समाज-जनों ने भरपूर आनंद उठाया। नाचते, गाते 2 घंटे भ्रमण के पश्चात् सवारी पुनः हाटकेश्वर मंदिर पहुँची जहाँ महा-आरती उतारी गई। महा-आरती के पश्चात् महा-प्रसादी का समाज-जनों द्वारा आनंद लेकर धूम-धाम के साथ हाटकेश्वर पाटोत्सव कार्यक्रमों को विराम दिया।

-चेतन राय नागर
कुबरिया चौक, नागरवाड़ा,
बाँसवाड़ा (राज.)

ईडन (ऑस्ट्रेलिया) में हाटकेश्वर पाटोत्सव आयोजित

बांसवाड़ा निवासी ऑस्ट्रेलिया में नागरों ने मेलबोर्न से लगभग 500 कि.मी. दूरईडन (न्यू साउथ वेल्स) में 3 से 5 अप्रैल 2015 तक हाटकेश्वर पाटोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया। लगभग 25 नागर बन्धुओं ने 3 अप्रैल को बाबा हाटकेश की पूजा-आरती-पुष्पांजलि के बाद श्रीखंड की महाप्रसादी ग्रहण की। अगले दिन हनुमान जयन्ती के उपलक्ष में हनुमान चालीसा का 5 बार पाठ किया गया और बेसनिया भात व बर्फी का प्रसाद ग्रहण किया। दि. 5 अप्रैल को भेलपुरी के चटखारे लेते हुए अन्ताक्षरी आयोजित की गई, जिसमें तीन पीढ़ियों ने जोर-शोर से भाग लिया।

समारोह का प्रमुख आकर्षण वडनगरा नागर समाज के भूतपूर्व अध्यक्ष श्री भालचन्द्रजी दवे की उपस्थिति रही जो उक्त आयोजनों से बड़े प्रभावित हुए। समारोह का समापन श्री हरिहर झा की हास्य कविता से हुआ। उक्त समारोह में सिडनी और ऑल्बरी से भी नागर बंधू आए थे। अनौपचारिक परिवेश में 'पारिवारिक प्रेम व सद्भावना' के इन अनूठे क्षणों की सुमधूर स्मृतियाँ दीर्घकाल तक बनी रहेगी।

उदयपुर में छप्पन भोग एवं महाआरती का आयोजन सम्पन्न

उदयपुर में हाटकेश्वर जयन्ती पर छप्पन भोग व महा आरती का आयोजन किया गया। दिनांक 21-4-2015 को परशुराम जयन्ती पर ब्राह्मण समाज द्वारा शहर में निकाली गई शोभा यात्रा का स्वागत जलपान एवं प्रसाद वितरण उदय पेलेस होटल के मालिक श्री सुशील नागर व परिवार जनों द्वारा किया गया। श्रीनागर के काकाश्री भगवतीलाल नागर के द्वारा पुष्पों की वर्षा से स्वागत किया गया।

-सुशील कुमार नागर, उदयपुर
मो. 09982111177

एक बार पत्नी ने अपने पति से पूछा-
जब हमने शादी की थी, तब तो
आप मुझे बड़े ही प्रशंसनीय नामों से बुलाते थे।
... जैसे मेरी रस मलाई, मेरी बरफी, मेरी रबड़ी..
लेकिन अब इन नामों से
क्यों नहीं बुलाते !
बहुत देर तक सोचने के बाद पति ने जवाब में कहा-
दूध की मिठाई कितने दिन ताजी रहेगी !

रामजी की लीला है न्यारी

भिलुड़ा के प्रसिद्ध श्री रघुनाथजी मंदिर में महोत्सव

वागड़ क्षेत्र के डूँगरपुर जिले में स्थित भिलुड़ा गाँव वहाँ के रघुनाथजी मंदिर के कारण प्रसिद्ध है। कहते हैं कि डूंगरपुर के उस समय के महाराजा को भगवान ने स्वप्न में प्रभु को डूंगरपुर आने की इच्छा प्रकट की पर साथ में यह भी कहा कि रास्ते में मूर्ति नीचे मत रखना वरना मैं डूंगरपुर नहीं आऊंगा। राजा मूर्ति लेकर आ रहे थे कि रास्ते में किसी कार्य से मूर्ति को नीचे रख दिया। फिर तो वह मूर्ति वहाँ से हिली ही नहीं और राजा ने उसी स्थान पर मंदिर बनवाकर मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा करवा दी। यह वही भिलुड़ा गाँव का रघुनाथजी का मंदिर है। आज भी डूंगरपुर राजघराने से यहाँ दर्शन करने आते हैं व मंदिर की पूजा व रखरखाव का ध्यान रखते हैं। प्रतिवर्ष यहाँ रामनवमी को विशाल भजन संध्या होती है, भगवान का बड़ा ही मनोहारी श्रृंगार किया जाता है व लाखों श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं-

बाँकी तेरी झाँकी दिखा दे रघुरैया'

मंदिर के गर्भगृह में रामजी, लक्ष्मणजी एवं सीताजी की काले पत्थर की बनी आकर्षक मूर्तियाँ हैं। 'मूर्ति उभय मनोहर भारी, जदुपति रघुपति मंगलकारी'

जी हाँ, यहाँ की यही तो विशेषता है। भगवान श्री राम की मूर्ति धनुषधारी तो है परन्तु उनके चरण बंसीधर कृष्ण की मुद्रा में मुड़े हुए हैं। सच में बहुत ही सुन्दर नयनाभिराम दर्शन है।

'धन्य धन्य भिलुडु ग्राम,
दर्शन श्री गिरधारी राम'।

यह वही प्रख्यात मंदिर है जहाँ जुनागढ़ के नागर भक्तकवि श्री दुर्लभरायजी ने मंदिर का ताला खोलने एवं भगवान के दर्शन करने हेतु तेरह पद गाये थे और पद की समाप्ति होने पर उन्हें दर्शन भी हुए थे। दुर्लभरामजी वागड़ में माही के किनारे रहते थे। उनका नियम था कि प्रतिदिन दोपहर 12 बजे रामजी का दर्शन करना और भजन करना। वागड़ के नागरों ने उनकी परीक्षा लेने हेतु मंदिर पर बड़ा ताला लगा दिया। श्रावण शुक्लपक्ष पूर्णिमा व गुरुवार का दिन था। दोपहर को दुर्लभ जी आए पर नागरों ने ताना मारा कि आप इतने बड़े भक्त हो तो प्रभु को ही ताला खोलने के लिये कहो। हम भी भगवान के दर्शन करेंगे। बस इतना कहना था कि दुर्लभरामजी ने पद गाना शुरु किया। 12 पद के बाद ताला अपने आप खुल गया व सबको भगवान के दर्शन हुए। तब से ही यह स्थान नागर समाज के लिए विशेष दर्शनीय हो गया।

करीब पिछले 60 वर्षों से बांसवाड़ा से कुछ नागर परिवार प्रतिवर्ष रामनवमी को भिलुड़ा आते हैं। रामजन्म के बाद भगवान को फलाहार का भोग लगाते हैं। बांसवाड़ा से ही राममंडल भजन मंडली व अन्य भक्त भी इस प्रसाद को ग्रहण करते हैं। भीषण गर्मी व तेज धूप भी भक्तों को भिलुड़ा दर्शन करने आने से नहीं रोक पाते।

संत श्री दुर्लभरामजी की आस्था से बांसवाड़ा चले गये परिवारों ने वहाँ दुर्लभ विलासी मन्दिर का नवश्रंगार किया जहाँ उनका निवास था और भिलुड़ा सरकार की रामकृष्ण की छवि और उनके साहित्य के अनुरूप वहाँ रामसीता कृष्णराधा और शिवपार्वती की स्थापना कर रामनवमी की आराधना करना आरम्भ किया है जो परम्परागत चालू है और भिलुड़ा सरकार और दुलर्भरामजी को याद करते हैं।

-अलका याज्ञिक
नागरवाड़ा, बांसवाड़ा

पुत्री रत्न प्राप्ति पर बधाई...

-शुभेच्छु-

भुआ दादी-श्रीमति उषा मेहता(झोंकर),
दादा-दादी-दिनेश प्रमिला मेहता (सिरोलिया)
भुआ भुफाजी-पीयूष रजनी नागर (देवास),
अंकल-सौरभ मेहता (बैंगलोर)
नाना नानी-दिनेश मंजू नागर,
मामा मामी-प्रमोद ,सपना नागर (देवास)
मौसाजी मौसीजी-दिपेश चेतना मेहता,रतलाम,
बड़े भैया-मृदुल, प्रयाग (देवास)
मो. 9993557910

गौरव सपना मेहता को
दिनांक 07 -मार्च-2015 पर
पुत्री प्राप्ति होने पर हार्दिक हार्दिक बधाई

श्री चारभुजानाथजी के मंदिर में ध्वजारोहण

तखतगढ़ मारवाड़ रियासत के तत्कालीन महाराजा श्री तखतसिंहजी के नाम पर वि.संवत 1924... में बसाया गया था। वि.स. 1834 वैषाख शुक्ल सप्तमी का स्मरणीय दिवस था, जिस दिन भगवान श्री चारभुजानाथजी का प्राणप्रतिष्ठा महोत्सव था, जिसमें कई चढावों की बोलियां प्रस्तावित थी। जिसमें ध्वजा रोहण की बोली हमारे पिताजी के दादाजी श्री त्रिलोकचन्द्रजी के सुपुत्र श्री पन्नालाल के नाम रही थी। श्री पन्नालालजी के 3 तीन सुपुत्र थे श्री गुलाबचन्द्रजी चेनरामजी (चेनाजी) व श्री सुखीरामजी (सूरतींगजी) श्री चेनराजजी (चेनाजी) को ध्वजा की बोली में विशेष रुचि नहीं थी पर श्री गुलाबचन्दजी व सूरतींगजी के परिवार वाले क्रमशः बारी-बारी से श्री चारभुजाजी के मंदिर पर ध्वजारोहण करते हैं। गत वैषाख शुक्ल सप्तमी 2072 को 138वीं ध्वजा का ध्वजारोहण श्री सूरतींगजी के सुपुत्र श्री लक्ष्मीचंदजी निवृत प्रिंसीपल शिक्षा विभाग राजस्थान सरकार जिन्होंने योग महर्षि बाबा रामदेवजी के योग सम्बंधित साहित्य के प्रकाशन में विशेष योगदान दिया। बड़े ही उल्लास आनंद के साथ श्री चारभुजाजी (विष्णु भगवान) के मंदिर पर ध्वजारोहण बहुत मधुर संगीतमय वातावरण में सम्पन्न हुआ। अंत में सभी उपस्थित भक्तों को प्रसाद वितरित कर आयोजन का समापन हुआ।

दयाराम नागर, सुमेरपुर, (राज.)

अलीगढ़ की गतिविधियाँ

कोटा निवासी श्री प्रकाश दवे एवं श्रीमती अंजली दवे की सुपुत्री सौ.हर्षिता का शुभ विवाह बांसवाड़ा निवासी वेदांग नागर सुपुत्र- श्री कुंजबिहारी नागर एवं श्रीमती स्नेहलता नागर के साथ कोटा में सानन्द सम्पन्न हुआ।

कोटा निवासी श्री दीपक दवे एवं श्रीमती लता दवे की सुपुत्री सौ.अंकिता का शुभविवाह वाराणसी निवासी चि.अश्वनी नागर सुपुत्र- श्री अजयराम नागर एवं श्रीमती अंजना नागर के साथ कोटा में सानन्द सम्पन्न हुआ।

श्री हाटकेश्वर महादेव पाटोत्सव दि. 26.4.15 को अलीगढ़ में श्रीभालचन्द्र दवे के मैरिस रोड़ स्थित आवास पर हर्ष एवं उल्लास में वातावरण में सम्पन्न हुआ। सभी सजातीय बन्धुओं ने इसमें बढ़-चढ़कर भाग लिया। अन्त में महाप्रसाद का आयोजन किया गया। किसी अपरिहार्य कारण से यह आयोजन निश्चित दिवस पर नहीं हो सका था।

-दर्शना दवे, अलीगढ़

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सहित मेरठ, अलीगढ़, आगरा, मथुरा, हाथरस के नागरजनों का

नई दिल्ली में 'नरसी मेहता सम्मान समारोह'

मासिक जय हाटकेश वाणी द्वारा नवम्बर-दिसम्बर माह के दौरान नागर महाकुंभ एवं नरसी मेहता सम्मान समारोह प्रस्तावित है।

जिसमें शिक्षा, कला, साहित्य, समाजसेवा, उद्योग, व्यवसाय, चिकित्सा, विज्ञान, पत्रकारिता, अध्यात्म एवं तकनीकी क्षेत्र की हस्तियों से सम्मान हेतु प्रविष्टियां आमंत्रित है।

नोट- हमारा प्रयास रहेगा कि उपरोक्त भव्य गरिमामय आयोजन देश की प्रख्यात हस्तियों की उपस्थिति एवं करकमलों द्वारा सम्पन्न हो। अतएव आप प्रविष्टियां एवं सुझाव देवें। इस अवसर पर जय हाटकेश वाणी द्वारा क्षेत्र की निर्देशिका एवं स्मारिका प्रकाशित की जाएगी।

सम्पर्क मो. 9425063129

गीता ज्ञान शिविर का लाभ नागरजनों ने लिया

शिविर की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के पूर्व श्री निर्मलजी त्रिवेदी का संक्षिप्त परिचय प्रासंगिक है। श्री त्रिवेदीजी पेशे से विद्युत इंजीनियर है एवं राजस्थान राज्य विद्युत निगम से उत्कृष्ट सेवा पूरी कर उच्च अभियंता पद से निवृत्त हुए हैं। तब से उन्होंने अपना पूर्ण समय आध्यात्मिक एवं वैदिक अध्ययन में लगाते हुए अहमदाबाद में अपने गुरु श्री विदितात्मा नन्द सरस्वती से गीता का विशेष ज्ञान प्राप्त किया है।

श्री गुरुजी की आज्ञानुसार उन्होंने गीता ज्ञान के सद्प्रचार एवं लोकोपकार हेतु अपना पहला ज्ञान यज्ञ बांसवाड़ा में श्री हाटकेश्वर महादेव मंदिर परिसर में जनवरी 2015 में आयोजित किया था। उनका दूसरा शिविर 15 अप्रैल को हाल ही श्री गंगनाथ महादेव आश्रम, भीमपुरा, ता. चाणोद, बड़ोदा के पास नर्मदा किनारे गुजरात में हुआ था, जो विशेषतः बांसवाड़ा के अपने समाजजनों के लाभार्थ आयोजित किया गया था। शिविर में सम्मिलित होने लाभार्थी अहमदाबाद, बड़ोदा, मेहसाणा से पधारे थे। आश्रम में सभी सुविधाएं उपलब्ध थी। अच्छे कमरे संलग्न आधुनिक बाथरुम 24 घंटे गर्म-ठंडा पानी, भोजनशाला केंटीन इत्यादि थे जो साफ-सुथरे एवं सुव्यवस्थित थे। शिविर का कार्यक्रम प्रातः 6 बजे से आरंभ होकर रात्रि 10 बजे तक चलता था, जिसमें प्रातःकाल में योग प्राणायाम नित्यसंध्या पूजाजप इत्यादि करते थे, फिर गीता ज्ञान, सामुहिक पाठ, प्रवचन एवं विवेचना होती थी। श्री त्रिवेदीजी ने कर्मयोग, ज्ञानयोग, अतियोग को समझाया एवं समन्वयकर जीवन जीने का मार्ग बताया। आज के युग में भक्ति द्वारा सामान्य गृहस्थ व्यक्ति या युवा कैसे सफल, सुख, संतोष, विकार मुक्त रहकर अपना यह जीवन एवं अगला जीवन सुधार सकता है। यह मार्ग बताया।

सुबह ही गीता ज्ञान के अलावा एक प्रवचन श्री दिनूभाई जानी का भी होता था, जिन्होंने यह गहन विचार कराया कि हम कौन हैं (who am i) हम कहाँ जायेंगे एवं हमारा उद्देश्य क्या होना चाहिए।

सायंकाल धार्मिक भ्रमण हेतु रखा गया था, जिसमें श्री नर्मदा स्नान, तट पर स्थित विभिन्न आश्रमों के दर्शन जैसे कि श्री कुबेर धाम, कुबेरेश्वर महादेव, बद्रीकाश्रम, रामकृष्ण आश्रम, स्व.आनंदमयी आश्रम, श्री निलकंठधाम, श्री स्वामीनारायण मंदिर आश्रम इत्यादि।

डडूका (बांसवाड़ा) में मनाई हाटकेश्वर जयन्ती

विशनगरा नागर ब्राह्मण समाज गाँव डडूका जिला बांसवाड़ा राजस्थान द्वारा दिनांक 3-4-15 को हाटकेश्वर जयन्ती श्री नारायणलाल रावल के निर्देशन में धूमधाम से मनाई गई। गाँव में स्थित शिव मन्दिर परिसर में सम्पूर्ण कार्यक्रम का आयोजन वासुदेव मेहता तथा अशोक रावल द्वारा सभी युवा सदस्यों के सहयोग से किया गया। पंडित हितेष शास्त्री एवं रौनक आचार्य के द्वारा वैदिक ऋचाओं के साथ होमात्मक लघुरुद्र किया गया। मुख्य यजमान आदित्य रावल ने भगवान का दुग्धाभिषेक किया तथा षोडोपचार विधि से पूजन किया। पूजन में हितेष मेहता, हेमन्त रावल, जनार्दन राय नागर, मनीष मेहता ने पूर्ण सहयोग दिया।

पूर्णाहुति के पश्चात् सायंकालीन महाआरती एवं महाप्रसाद का आयोजन किया गया। जिसमें समाज के सभी लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अन्य में विष्णुप्रसाद रावल के मुख्य आतिथ्य एवं नारायणलाल रावल की अध्यक्षता में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें दसवी, बारहवीं, स्नातक व स्नातकोत्तर में 60 प्रतिशत व उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले 12 छात्र व 7 छात्राओं को विष्णुप्रसाद रावल के पिताजी स्व.शंकरलाल रावल व माताजी स्व.नाथी बाई की स्मृति में पारितोषिक प्रदान किया गया।

-नारायणलाल रावल, सेवानिवृत्त शिक्षक एवं समाजसेवी

शिविर के अंतिम दिन मातुसर गाँव में नर्मदा किनारे स्थित प्रसिद्ध श्री सत्य नारायण मंदिर व आश्रम भी गये थे।

रात्रि में भोजन के बाद एक सत्संग कार्यक्रम भी होता था, जिसमें श्री सुन्दरकांड, श्री महिम्न पाठ, श्री विष्णु सहस्त्र नाम, भजन कीर्तन, गरबे, विभिन्न श्लोक पठन एवं सहयोगियों को अपने विचार व्यक्त करने का अवसर दिया जाता था। इस शिविर की विशेषता यह रही कि सभी सहभागी विभिन्न उम्र, स्त्री पुरुष सहयोगात्म रहे। उनका आपसी मेलमिलाप, भाईचारा, शान्ति, उत्साह एवं लगन अपूर्व थी।

इस आश्रम में रहते हुए न कोई अखबार पढ़े एवं न ही टेलीविजन या रेडियो थे। आसपास कोई भी बस्ती, दुकाने या होटल नहीं है। एकदम निर्जन एवं प्राकृतिक हराभरा क्षेत्र है।

आश्रम के महंत श्री पवित्रानंदजी है एवं मैनेजर का फोन नं. 02663-233241 है।

-एन.एल. झा
फोन 026292-244192

बांसवाड़ा के प्रवासी नागरों ने अहमदाबाद में मनाई हाटकेश्वर जयंती

बड़े हर्ष के साथ निवेदन करते हैं कि श्री हाटकेश्वर पाटोत्सव हर वर्ष की तरह इस बार भी अहमदाबाद में श्री बैजनाथ महादेव मंदिर वेजलपुर में धूम-धाम एवं उत्साह पूर्वक मनाया गया। इसमें अहमदाबाद में निवास करने वाले बांसवाड़ा नागर समाज के सभी परिवार सम्मिलित हुए।

श्री बैजनाथ महादेव के प्राचीन देवालय में कार्यक्रम अनुसार सुबह 8 बजे पूजा के उपरान्त सामूहिक आरती हुई (श्री शिव तान्डव आरती)। इसके बाद भजन एवं प्रसाद वितरण एवं मिलन समारोह हुआ 200 से अधिक बंधु परिवारों ने भाग लिया।

दोपहर के बाद सायं 4 बजे श्री महादेव की पंचोपचार महापूजा एवं रुद्राभिषेक किया गया। इस कार्यक्रम का समय मंदिर के अन्य स्थानिक नित्य पूजा अर्चना करने वालों को प्रातः कोई असुविधा न हो यह ध्यान में रखकर किया गया।

यह धार्मिक कार्यक्रम हमारे समाज के युवा आचार्य श्री नयन झा के आचार्यत्व एवं दिशा-निर्देश अनुसार खूब श्रद्धा भक्ति से किया गया, जिसमें 10-12 भाइयों ने शुद्ध पिताम्बर पहनकर अभिषेक में गंगाजल मिश्रीत जल, पंचामृत (दूध, दही, घी इत्यादि), ईखरस, नारियल जल, वस्त्र, यज्ञोपवित बिलपत्र एवं विभिन्न द्रव्य अर्पण किये गये।

रात्रि को सबने सपरिवार महाप्रसाद का आनंद लिया। इस उत्सव एवं महामिलन समारोह में समाज की एकता बंधुत्व भाईचारा एवं सहयोग झलकता था। सबने बहुत आनंद मनाया।

निवेदक- नटवरलाल झा

मुम्बई में हाटकेश्वर जयंती पर विविध आयोजन

नागर सांस्कृतिक संस्था मुम्बई का हाटकेश्वर उत्सव नवी मुम्बई 'स्वामीनारायण कला केन्द्र' में भारी उत्साह से मनाया गया। उत्सव अभिषेक और पूजा से शुरु हुआ। उसके बाद आरती के साथ शिव स्तवन भी किया गया।

कुछ रोचक खेलों का आयोजन किया गया जिसका विषय था 'शिव को जाने' शिवजी के बारे में प्रश्नोत्तरी, महत्वपूर्ण जानकारी भी दी गई। 'सुनने की कला' के अंतर्गत शिवजी के जीवन से जुड़ी घटनाओं को एक कोर्पोरेट खेल के रूप में प्रस्तुत किया गया। तिथियों के बारे में भी एक रोचक खेल का आयोजन हुआ। जिसका सभी ने आनंद लिया। शिवजी के नाम पर आधारित एक और रोचक खेल रखा गया। करीब 80 नागर बंधुओं ने उपस्थित रहकर हाटकेश्वर उत्सव की शोभा बढ़ाई।

अंत में बच्चों द्वारा श्लोक, भजन और स्वादिष्ट भोजन के साथ उत्सव का समापन हुआ।

जय हाटकेश **-उषा ठाकोर**

चम्पू (मालिक से)- सर! आप अपनी पत्नी को कहीं भी पार्टी में लेकर क्यों नहीं जाते?

मालिक- क्योंकि, वह गांव की है...।

चम्पू बोला- माफ कीजिए सर, मुझे तो लगा कि वह सिर्फ आपकी है...।

शेर खां को मुगलों ने पकड़ लिया और उसे अकबर के पास ले गए...।

अकबर ने कहा- इसको बंदी बना दिया जाए...!

शेर खां ने कहा- नहीं, नहीं जहांपनाह ! रहम करो !!! मुझे बंदा ही रहने दो।

रतलाम में धूमधाम से मनी दो दिवसीय हाटकेश्वर जयन्ती

चल समारोह और पारिवारिक मिलन समारोह सम्पन्न

रतलाम। हाटकेश्वर जयन्ती के उपलक्ष्य में म.प्र. नागर ब्राह्मण परिषद शाखा रतलाम के तत्वावधान में कॉलेज रोड़ स्थित मठमंदिर परिसर में भगवान हाटकेश्वर का पूजन अभिषेक कार्यक्रम प्रातः 8 बजे किया गया।

पूजन कार्यक्रम पं. विकास बालकृष्ण नागर ने कराया। यजमान के रूप में श्री व श्रीमती शशिकांत थे। पूजन प्रसादी के बाद भगवान हाटकेश्वर का चल समारोह रथ पर बैण्ड बाजे के साथ प्रारंभ हुआ। नागर समाज के सक्रिय कार्यकर्ता व धर्मशाला प्रभारी हरीश मेहता ने नरसी मेहता की वेशभूषा में नृत्य करते हुए व राम डमरु बजाते हुए चल समारोह की शोभा बढ़ा रहे थे। पुरुष वर्ग सफेद कुर्ते-पाजामा में व महिला वर्ग केसरिया साड़ी एक ही रंग में गरबा रास करते हुए चल रही थी। चल समारोह के मध्य में कपिल शुक्ल परिवार की ओर से आइसक्रिम का आयोजन रखा गया। चल समारोह नागरवास स्थित हाटकेश्वर देवालय पर जाकर सम्पन्न हुआ।

नागरवास देवालय में यजमान के रूप में विजय पंड्या एवं श्रीमती अंजु पण्डया थे। अभिषेक पूजन के पश्चात स्वल्पाहार के बाद कार्यक्रम का समापन हुआ। हाटकेश्वर जयन्ति के दो दिवसीय कार्यक्रम के अन्तर्गत म.प्र. नागर ब्राह्मण परिषद् शाखा रतलाम के तत्वावधान में पारिवारिक मिलन समारोह व सहभोज का आयोजन बरबइ स्थित हनुमान मंदिर में रखा गया। सहभोज के साथ-साथ पारिवारिक मनोरंजन हेतु विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।

(1) समय प्रबंधन- (सभी परिवारों के लिए)

श्री एवं श्रीमती बालकृष्ण मेहता विजेता रहे।

(2) कपल गेम के विजेता

प्रथम- श्रीमती प्रज्ञा प्रविन मेहता

द्वितीय- श्रीमती दीक्षा बबलु व्यास

(3) रामायण दोहा चौपाई विजेता - (10 से 14 वर्ष)

प्रथम- कु. श्रद्धा नागर

द्वितीय- कु.काँची दीक्षित

निर्णायक गण- श्री दुर्गाप्रसाद मेहता, श्री योगेश नागर, पं.जितेन्द्रजी नागर (सैलाना)

(4) कार्टून बनाओ प्रतियोगिता विजेता - (6 से 9 वर्ष)

प्रथम- कु.चेष्टा भट्ट

द्वितीय- रजत मेहता

तृतीय- कु. लक्षिता याज्ञनिक

(5) सरप्राइज प्रतियोगिता- (3 से 5 वर्ष) (मम्मी को पहचानो)

प्रथम- तस्मै रंजन पोद्दार

द्वितीय- कु.आध्या मेहता

(6) पारिवारिक अंत्याक्षरी प्रतियोगिता

इस प्रतियोगिता में कपल व पारिवारिक सदस्यों ने भाग लेकर गीत संगीत का भरपूर आनंद लिया।

सभी कार्यक्रम के विजेताओं को समाज के वरिष्ठ सर्वश्री दुर्गाप्रसाद मेहता, हेमकान्त दवे, बालकृष्ण मेहता, प्रो. रविशंकर नागर, सुभाष त्रिवेदी, ओमप्रकाश नागर के द्वारा पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती प्रज्ञा दीक्षित व श्रीमती कल्पना मेहता द्वारा किया गया।

दो दिवसीय कार्यक्रम को सफल बनाने में परिषद् के अध्यक्ष विभाष मेहता, सुशील नागर, शरद मेहता, ओंकारलाल नागर, संजय दवे, नवनीत मेहता, आनन्द मेहता, धर्मेन्द्र नागर, सत्येन्द्र मेहता, सतीशचन्द्र मेहता, जगदीश नागर, गिरीश भट्ट, हरीश मेहता, ओम त्रिवेदी, शैलेन्द्र मेहता, विष्णुदत्त नागर, मंगला दवे, कल्पना मेहता, प्रज्ञा दीक्षित, अनुराधा दवे, रानी दवे, लीला नागर, रंजना नागर, भारती मेहता, अलका मेहता, अमिता मेहता, ज्योति मेहता, सुभद्रा मेहता, सुनीता मेता का सराहनीय सहयोग रहा।

अन्त में सभी ने पारिवारिक सदस्यों के साथ लजीज व्यंजनों का लुफ्त उठाते हुए सहभोज का आनंद लिया। परिषद शाखा रतलाम के अध्यक्ष विभाष मेहता ने सभी नागरजनों को द्विदिवसीय कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया।

-ओम त्रिवेदी, रतलाम

शिवपुरी में हाटकेश्वर जयंती का आयोजन

नागर ब्राह्मण समाज के आराध्य इष्टदेव श्री हाटकेश्वर भगवान की जयंती शिवा नगर छत्री रोड़ स्थित शिव देवालय स्थित शिव मंदिर पर भगवान शिव का श्रृंगार कर रुद्र अभिषेक किया गया तथा महाआरती में समाज के श्री नागर परिवारों ने भाग लिया। बाद में महाप्रसादी का वितरण किया गया। अन्त में सभी नागर बन्धुओं को स्वल्पाहार का आयोजन किया गया। जिसमें नागर ब्राह्मण समाज के वरिष्ठ श्री प्रेमनारायणजी नागर (स्वतंत्रता संग्राम सेनानी व पूर्व अध्यक्ष म.प्र. नागर समाज), श्री नीरज चौबे (स्टेट बैंक), श्री दिलीप नागर, मुकेश मेहता, केशर मेहता, श्रीमती नीता नागर, श्रीमती प्रेमलता मेहता, श्रीमती मनीषा चौबे, सुनीता मेहता, श्रीमती वत्सा मेहता आदि उपस्थित थे।

-दिलीप नागर, शिवपुरी

भगवान हाटकेश्वर से सुख-समृद्धि की कामना

नागदा में हाटकेश्वर जयंती मनी

3 अप्रैल 2015 को सी-ब्लॉक स्थित परिषद् शाखा नागदा के तत्वावधान में समस्त समाजजनों की उपस्थिति में बड़े धूम-धाम से मनाई गई। जिसमें समाज के समस्त परिवारों ने भाग लेकर कुल देवता भगवान हाटकेश्वर महादेव से सुख-समृद्धि एवं निरंतर सफलता की कामना एवं आशीर्वाद प्राप्त किया।

कुल देवता हाटकेश्वर का अभिषेक यजमान श्री राकेश दीक्षित एवं धर्मपत्नी श्रीमती चंचल दीक्षित द्वारा पंडित श्री योगेशजी शुक्ल द्वारा। अभिषेक पश्चात महाआरती श्री सिद्ध हनुमान मंदिर स्थित शिवालय में मनायी गई तत्पश्चात समाजजनों का मिलन समारोह एवं भोजन प्रसादी बिरलाग्राम स्थित सी-ब्लाक कल्याण मण्डप में हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ।

-राजेश रावल (अध्यक्ष)

2000 ग्रामीणों ने नशामुक्ति का संकल्प लिया

बेतुल जिले के शाहपुर तहसील के चिंचोली गांव तथा तारमखेड़ा गांव के हनुमान मंदिर में 11 से 17 मई तक सुश्री वर्षा नागर के प्रवचनों का कार्यक्रम हुआ। जिसमें आदिवासी गोड़ समाज के लोगों के बीच पुलिस अधीक्षक भी उपस्थित रहे तथा 2000 से ज्यादा लोगों ने नशामुक्ति का संकल्प लिया।

वर्षाजी नागर की रामकथा नेपाल में

देश के ग्रामीण अंचल को आपातकालीन वैद्यकीय सुविधाओं से जोड़ने के प्रयास में धर्म सेवा समिति द्वारा धर्म सेवा स्वास्थ्य विज्ञान केन्द्र नामक मल्टीस्पेशलीटी अस्पताल का निर्माण प्रचारार्थ देवभूमि नेपाल में सुश्री वर्षाजी नागर के पावन सानिध्य में रामकथा का आयोजन 10 से 16 जुलाई 2015 तक किया गया है। कथा स्थल श्री माधवराज सुमार्गी स्मृति भवन पशुपतिक्षेत्र काठमांडु है तथा कथा का सीधा प्रसारण संस्कार चैनल पर किया जायेगा।

संता- यार! मैं जो भी काम शुरू करता हूं मेरी बीवी बीच में आ जाती है।
बंता- तू टूक चला कर देख, शायद किस्मत साथ दे दे!

मध्यप्रदेश नागर ब्राह्मण परिषद् (गुजराती) समाज केपीटल ब्रांच

भोपाल की नवीन कार्यकारिणी

भोपाल मे हाटकेश्वर जंयन्ती के अवसर पर अभिषेक एवं पूजन किया गया। म.प्र. नागर ब्राम्हण परिषद्(गुजराती) समाज केपीटल ब्रांच,भोपाल के निर्वाचन उपरान्त नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया है जिसमे निम्नानुसार पदाधिकारी चुने गये अध्यक्ष- पंडित प्रमोद कुमार मेहता,(नरसिहंगढ वाले) उपाध्यक्ष- पं. डा. एम.एल. नागर, श्रीमती संगीता नागर, पं. मुकेश नागर, पं. ओमप्रकाश शर्मा, कोषाध्यक्ष-पं. पंकज रावल महासचिव- पं. ओमप्रकाश दशोरा, सचिव- पं. मनोज नागर, सांस्कृतिक सचिव-पं. अशोक व्यास, संगठन सचिव श्रीमती सुकता जोशी कार्यकारिणी सदस्य- पं. विनोद नागर, पं.दिनेश जोशी पं. अमित मेहता, पं. अभिलाष नागर, पं. दीपक मेहता, पं. कपिल मेहता, पं. संतोष व्यास, पं. आशीष नागर, पं. संतोष नागर, पं. जगदीश नागर, श्री अजय व्यास, श्री आई.बी. मिश्रा, पं.नमीष मेहता, श्रीमती सुमन मेहता, श्रीमती तृप्ता रावल। संरक्षक मण्डल पं. श्रवणेश्वर झा, पं. बालकृष्ण मेहता, पं. त्रिलोकीनाथ पंचोली, पं. ओमप्रकाश मेहता, पं. सुभाष व्यास, पं. रामकृष्ण मेहता, डा. विजय आनन्द जोशी, पं. सुभाष त्रिवेदी, पं. जय कुमार दवे, पं. कृष्णाजी नागर, विषेश आमंत्रित सदस्य पं. मनु व्यास, पं. सुरेश रावल, पं. महेश्वर मण्डलोई, पं. सुरेन्द्र नागर, पं. टी.पी. रावल, पं. मनमोहन नागर, पं. जी.आर. ठाकोर, पं. दयावन्त दशोरा। एक्स ऑफाशिओ मेम्बर ठीक पूर्व कार्यकाल के अध्यक्ष पं. रविन्द्र पंचाली एक्स ऑफाशिओ मेम्बर ठीक पूर्व कार्यकाल के महासचिव पं. ओमप्रकाश शर्मा एवं सचेतक मण्डल पं. आलोक नागर, पं. मनोज झा, पं. प्रणव नागर, उक्त के अतिरिक्त समाज मे जनजाग्रति के लिये

पं.प्रमोद कुमार मेहता पं.ओमप्रकाश शर्मा

निम्नांकित समितियाँ प्रारभिंकतौर पर गठित की गई है। जो समय-२ पर समाज हित मे विभिन्न गतिविधियों का संचालन सुचारू रूप से कर सकेंगी। जिससे गुजराती नागर ब्राम्हण समाज केपीटल ब्रांच भोपाल के सभी परिवारों मे जागरूकता बनी रहे। समाज का प्रत्येक सदस्य हमारे मध्यप्रदेश तथा स्वतंत्र भारत देश के विकास मे अपना महत्वपूर्ण योगदान देकर गोरवान्वित महसूस करे।

समिति का नाम कार्य एवं विवरण १- वित्त समिति इस समिति के समन्वयक पं. दिनेश जोशी होंगे। सदस्य वे अपने मतानुसार बनालें जो उन्हें सहयोग कर सके और पारदर्शी वित्तीय प्रबन्धन बना रहें। २ सांस्कृतिक समिति इस समिति के समन्वयक पं. पंकज रावल एवं पं. अशोक व्यास संयुक्त रूप से होंगे। सदस्य वे अपने मतानुसार बनालें जो उन्हें सहयोग कर सके तथा समय-२ पर कार्यक्रम कर सकें। ३- जनसम्पर्क समिति इस समिति के समन्वयक पं. मनोज नागर होंगे। सदस्य वे अपने मतानुसार बनालें जो उन्हें सहयोग कर सके तथा समय-२ पर गतिविधियों का प्रचार प्रसार कर सके।

४-विधि एवं विधायी कार्य समिति इस समिति के समन्वयक पं. राजेश मेहता, एडव्होकेट एवं पं. योगेश पंचोली, एडव्होकेट होंगे। सदस्य वे अपने मतानुसार बनालें जो उन्हें सहयोग कर सके तथा समाज के इच्छुक लोगों को लीगलएडवाईज दे सके।५-स्वास्थ्य एवं चिकित्सा समिति इस समिति के समन्वयक डा. विजय आनन्द जोशी होगें। सदस्य वे अपने मतानुसार बनालेगे जो उन्हें सहयोग कर सके तथा समय-२ पर चिकित्सा शिविर आदि आयोजित कर समाज बन्धुओं को लाभ दे सकें। ६-शिक्षा समिति इस समिति के समन्वयक पं. विनोद नागर, होगें।

सदस्य वे अपने मतानुसार बनालेगें जो उन्हें सहयोग कर सकेंएवं समय-२ पर शिक्षा सम्बन्धी जानकारियों का लाभ समाज बन्धुओं को दे सकें ७-महिला समिति इस समिति की समन्वयक श्रीमती अर्चना व्यास एवं श्रीमती तृप्ता रावल रहेंगी। सदस्य वे अपने मतानुसार बनालेंगी जो उन्हें सहयोग कर सके तथा समाज की महिलाओं के विकास हेतु कार्यक्रम समय-२ पर संचालित करती रहें।

८-परामर्शदात्री सह सामान्य प्रशासन समिति- इस समिति मे संरक्षक मण्डल सहित समस्त पदाधकारी रहेंगे जो कार्यक्रमो के दौरान कानून व्यवस्था और अनुशासन बनाये रखने मे मदद करेंगें तथा समय-२ पर सुझाव प्रदान करते रहेंगे।

राजधानी में हाटकेश्वर जयन्ती कार्यक्रम सम्पन्न

नागर ब्राह्मण परिषद् (केपिटल ब्रांच) भोपाल द्वारा 3 अप्रेल को हाटकेश्वर जयंती उत्सव हाटकेश्वर मंदिर, अरेरा कॉलोनी भोपाल पर मनाया गया. यह जानकारी समाज के महासचिव श्री ओ.पी.शर्मा द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी गयी. कार्यक्रम में भोपाल शहर के नागर ब्राह्मण समाज के सभी लोगों ने भाग लिया एवं भगवान् हाटकेश की पूजा अर्चना एवं आरती की गयी तथा प्रसाद वितरण किया गया. महासचिव श्री

ओमप्रकाश शर्मा द्वारा वार्षिक गतिविधियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया. संगठन की साधारण सभा की बैठक में निर्वाचन कमेटी के अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश मेहता तथा सदस्यद्वय डॉ.विजयआनंद जोशी एवं श्री विनोद नागर ने समाज के द्विवार्षिक निर्वाचन प्रक्रिया को पूर्ण किया. द्विवार्षिक चुनाव में श्री प्रमोद कुमार मेहता को निर्विरोध रूप से समाज का नया अध्यक्ष चुना गया, जिनका सभी समाजजनों ने करतल ध्वनि से स्वागत किया।

देवास में हाटकेश्वर जयन्ती महोत्सव

देवास- स्थानीय चामुण्डा नगर स्थित नागरों के इष्टदेव भगवान श्री हाटकेश्वर की जयंती स्व. श्री नारायण प्रसाद मेहता के परिवार के सौजन्य से तथा नागर परिषद अध्यक्ष सुधीर नागर (एडव्होकेट) की अध्यक्षता में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। मध्यान्ह पश्चात् श्री हाटकेश्वर की प्रतिमा पर गोदुग्धाभिषेक पश्चात् सभी नागरजन (स्त्री- पुरूषों) ने मूर्ति पर जलार्पण कर पूजन एवं सामुहिक आरती की तथा प्रसाद वितरण हुआ। इस धार्मिक अनुष्ठान के यजमान अनिल मेहता तथा दिनेश चन्द्र नागर रहे जबकि आचार्य थे पं. श्री नरेन्द्र शुक्ल। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठतम सदस्य पं. श्री रमाशंकर नागर की अध्यक्षता में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिस पर समाज की सुप्त गतिविधियों पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्हे जागृत करने पर गम्भीरता पूर्वक विचार किया गया, जिसमें सर्वश्री उपेन्द्र नारायण मेहता, डॉ कमलकान्त मेहता, डॉ अवधबिहारी रावल, उमाशंकर नागर, महेश नागर, दिनेश शर्मा, राजेन्द्र पुराणिक, मधुसुदन नागर, राजेश पुराणिक, दिलिप मेहता, डॉ जयंत पुराणिक, नरेन्द्र नागर एवं संजय मेहता आदि ने अपने - अपने विचार पुष्प अर्पित किये तथा सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि समाज को सक्रिय किये जाने हेतु शीघ्रातीशीघ्र एक बैठक अध्यक्ष श्री नागर आयोजित करें जिसमें आगामी हाटकेश्वर जयंती गोरवमयी परम्परानुरूप मनाई जाने पर विचार किया जावे। नारी शक्ति के रूप में सर्व श्रीमती सरोज मेहता, मृदुला मेहता, अनिता नागर, ज्योति नागर, शकुन्तला नागर, सुनीता नागर, कविता पुराणिक, सीमा नागर, मनीषा पुराणिक, प्रेमलता मेहता, इन्दिरा नागर तथा यशस्विनी पंड्या आदि इस समारोह की साक्षी बनी। संगोष्ठी का संचालन पत्रकार श्री हरिनारायण नागर तथा आभार प्रदर्शन महेन्द्र नागर ने किया।

खण्डवा में हाटकेश्वर जयंती पर निकली शोभा यात्रा

श्री हाटकेश्वर जयंती समारोह दिनांक 3-4-2015, शुक्रवार को खण्डवा नागर समाज द्वारा धूम-धाम से मनाया गया। प्रातः 8.30 बजे शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः श्री हाटकेश्वर मंदिर पहुँची। दोपहर में अभिषेक, हवन एवं सायं 6.30 बजे रात्रि में महाआरती एवं जातिभोज का आयोजन श्री सी.बी. दीवान, श्री अभिलाष दीवान, श्री अखिलेश दीवान, श्री अभिषेक दीवान, श्री अनुराग दीवान द्वारा किया गया। कार्यक्रम में श्री अमिताभ मंडलोई विशेष रूप से उपस्थित रहे। समस्त समाजजनों द्वारा धार्मिक आयोजन में उत्साह से सहभागिता की गई।

चौथा पुण्य स्मरण...

ममता, प्यार, त्याग और शिक्षकीय आदर्श की प्रतिमूर्ति
जो सदैव हमारी यादों के सागर में समाहित रहती है।
तुम्हारे स्नेह की आकांक्षा में दर्शनरत नैन
जो कभी आंखों से ओझल नहीं होने देते।

श्रीमती प्रमिला बालकृष्ण मेहता

अवसान - दि. 19 जून 2011

तुम्हें शत-शत नमन

बालकृष्ण मेहता
(पूर्वअध्यक्ष नागर परिषद भोपाल)

राजेश मेहता (पुत्र), हंसा मेहता (पुत्रवधू),
सुनीता मेहता (पुत्री), प्रदीप मेहता, (दामाद)
सुनंदा मेहता (पुत्री), ऋचा मेहता (नाती), आशुतोष मेहता,
अनुराग मेहता (पौत्र), अंकित मेहता (नाती), नेहा मेहता (पौत्री)।

व्यसन और अवगुणों को त्यागने का संकल्प

मालव माटी के लाल प्रसिद्ध संत श्री गोविन्द जाने जी की भागवत कथा का आयोजन ग्राम हनुमत्तीया (काग) तहसील सरदारपुर जिला धार में भक्त श्री जगदीश चौधरी के तत्वाधान में किया गया।

आस पास के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र से हजारो की संख्या में भगवत प्रेमी जनता ने आकर संत श्री गोविन्द जाने की रसमयी भागवत कथा का रसपान किया। संत श्री ने अपने भागवत कथा में अनेको प्रसंगो के माध्यम से धर्मालु जनता को धर्म का ज्ञान देते हुए भगवन प्राप्ति का मार्ग बताया। इसके अलावा भागवत कथा के दौरान कथा में उपस्थित जन समुदाय से व्यसन छोड़ने का संकल्प भी दिलवाया। जहा अनेक भक्तो ने स्वयं के अंदर व्याप्त व्यसन और अवगुण को त्यागने का संकल्प लिया।

अंतिम दिन कथा के समापन के अवसर पर भव्य शोभा यात्रा पूरे गाव में निकाली गई।

जिसमे हजारो भक्तो ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेकर शोभा यात्रा को भव्य रूप प्रदान किया। तथा स्थानीय समिति द्वारा कार्यक्रम स्थल पर भंडारे का आयोजन किया गया। उक्त जानकारी हाटकेश वाणी के सवाददाता आशीष नागर (पप्पू) ने दी।

झाबुआ में साल में तीन आयोजन तय

हाटकेश्वर जयंती मनाई

झाबुआ। नागर समाज झाबुआ द्वारा अपने ईष्टदेव श्री हाटकेश्वर महादेव की जयंती स्थानीय कॉलेज मार्ग स्थित गायत्री शक्तिपीठ पर हर्षोल्लासपूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर मंदिर में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। जिसमें समाजजनों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

यह जानकारी देते हुए समाज अध्यक्ष सुभाष नागर ने बताया कि इस अवसर पर सुबह 9 बजे से भगवान का महाभिषेक पं.घनश्यामदास बैरागी द्वारा करवाया गया। जिसका लाभ समाज के सदस्य राकेश घनश्याम नागर एवं प्रीति नागर ने लिया। दोपहर 12.30 बजे महाआरती का आयोजन हुआ। इसके पश्चात् महाप्रसादी का आयोजन किया गया। जिसका बड़ी संख्या में समाजजनों ने सपरिवार उपस्थित होकर लाभ लिया। महाप्रसादी का आयोजन दोपहर 3 बजे तक चला। समाज की महिलाओं द्वारा भजन-कीर्तन किए गए।

वर्ष में तीन कार्यक्रम धूमधाम से मनाने का लिया गया निर्णय : दोपहर में समाज की विशेष बैठक भी आयोजित हुई। जिसकी अध्यक्षता समाज के परामर्शदाता लक्ष्मीकांत नागर एवं संरक्षक राजेश नागर द्वारा की गई।

इस अवसर पर निर्णय लिया गया कि वर्ष में तीन कार्यक्रम समाज द्वारा आपसी सहयोग से किए जाएंगे। जिसमें प्रमुख रूप से हाटकेश्वर जयंती, नरसिंह मेहता जयंती एवं दीपावली पर्व पर अन्नकूट महोत्सव का भव्य आयोजन किया जायेगा। यह बैठक करीब एक घंटे तक चली।

इन्दौर में प्रदेश स्तरीय आयोजन सम्पन्न

25 बटुकों का यज्ञोपवीत संस्कार

म.प्र. नागर ब्राह्मण परिषद शाखा इन्दौर द्वारा गणेशाचार्य पं.श्री कैलाशजी नागर गुरुजी के पावन सानिध्य में सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार समारोह का आयोजन 21 अप्रैल 2015 अक्षय तृतीया को श्रीश्री विद्याधाम मंदिर परिसर एयरपोर्ट रोड़ पर आयोजित किया गया।

उपरोक्त आयोजन के लिए चयनित विद्याधाम बहुत उपयुक्त स्थान था, बहुत बड़े क्षेत्रफल में फैला तथा हरियाली से आच्छादित स्थान पर लगभग पूरे मध्यप्रदेश के नागरजन जुटे। आयोजन सफल रहा। पं.कैलाशजी शुक्ल पं.रमेशप्रसाद रावल, पं.उमाशंकर नागर, पं.गोपालजी नागर, पं.विश्वनाथ व्यास के आचार्यत्व में चि.यश दवे (सुपुत्र-सौ.वंदना विकास दवे मंदसौर) चि. चिरायु मेहता (सुपुत्र- सौ.साक्षी-हर्ष मेहता, इन्दौर) चि. निशित नागर (सुपुत्र-सौ.प्रीति विजय नागर उदयपुर) चि यश मेहता (सुपुत्र-सौ.रश्मि मनीष मेहता भोपाल), चि.अंकित मेहता (सुपुत्र- सौ.पूर्णिमा किशोर मेहता, इन्दौर), चि. अभिषेक मेहता (सुपुत्र- श्रीमती ममता मेहता, स्व.सुनील मेहता, इन्दौर), चि.प्रणव पौराणिक (सुपुत्र-सौ. सीमा-संजय पौराणिक चापड़ा देवास), चि. काव्य व्यास (सुपुत्र- सौ.दिप्ती अभिजीत व्यास, इन्दौर), चि.शाश्वत (सनी) सुपुत्र-सौ.तृप्ति-डॉ.नीलेश नागर, चि. ओजस नागर (सुपुत्र-सौ.रीना-प्रतीक नागर, इन्दौर), चि.रेवन्त नागर (सुपुत्र-सौ.ममता-विनोद दवे इन्दौर), चि. अथर्व नागर (सुपुत्र- सौ.प्रीति अवनीश नागर उज्जैन), चि. सिद्धार्थ शर्मा (सुपुत्र- सौ.रजनी देवेन्द्र शर्मा, इन्दौर), चि. अंगद नागर (सुपुत्र-सौ.वर्षा आशीष नागर खरगोन), चि. देवांश नागर (सुपुत्र- सौ.वर्षा-आशीष नागर), चि.हार्दिक दवे (सुपुत्र-सौ.सुनीता-डॉ.विकास, दवे, इन्दौर) चि.अबीर मेहता (सुपुत्र-सौ.रुपा-रुपल मेहता, इन्दौर) चि.सौरभ पंडित (सुपुत्र- सौ.सुनीता श्रीधर पंडित), चि.हर्षित नागर (सुपुत्र- सौ.विनीता-

सहयोग रहा। इन्दौर में जब कोई भी आयोजन होता है तो वह कोई न कोई आदर्श अवश्य स्थापित करता है। यज्ञोपवीत संस्कार के पश्चात जब बग्घियों में बटुकों की शोभायात्रा निकाली गई तो उसका मार्ग इस प्रकार तय किया गया कि सड़क पर यातायात में बाधा न पड़े। यदि उपरोक्त प्रकार के आयोजन प्रतिवर्ष नियमित किए जाए तो प्रदेशभर के नागरजन इससे लाभान्वित हो सकते हैं। म.प्र. में इन्दौर ही ऐसा केन्द्र है जहां भरपूर व्यवस्था के साथ प्रदेशभर से आने-जाने के साधन उपलब्ध है।

अभिलाष नागर, उज्जैन), चि. मीत शर्मा (सुपुत्र- सौ.वंदना-शलभ शर्मा बेरछा मंडी शाजापुर आदि का यज्ञोपवीत संस्कार सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम संयोजक श्री प्रवीण त्रिवेदी (चेयरमेन औद्योगिक न्यायालय (म.प्र.) सहसंयोजक- श्री शमित दवे एवं डॉ.नीलेश नागर सहित आयोजन में म.प्र. नागर ब्राह्मण परिषद के अध्यक्ष- श्री जयेश झा, सचिव राजेन्द्र व्यास, म.प्र. नागर महिला मंडल, अध्यक्ष- श्रीमती शारदा मंडलोई, सचिव श्रीमती सोनिया मंडलोई सहयोगी संस्थाएं शिवांजलि पारमार्थिक ट्रस्ट अध्यक्ष श्री आशीष त्रिवेदी, समस्त नागर ब्राह्मण विद्योत्तेजक ट्रस्ट अध्यक्ष डॉ.नरेन्द्र नागर सभी पदाधिकारियों का कार्यक्रम सम्पन्न कराने में विशेष

नागर प्रतिभाओं का सम्मान

इन्दौर में 3 अप्रैल को आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में निम्नलिखित शैक्षणिक प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

समस्त नागर विद्योत्तेजक फंड ट्रस्ट ने वर्ष 2013 में जमा राशि बढ़ाने के उद्देश्य से निर्णय लिया कि जो भी समाजजन अपने परिजनों की स्मृति में आजीवन प्रतिवर्ष रजत पदक प्रदान करना चाहते हैं वे एक बार 10,000/- रु. की राशि ट्रस्ट को जमा करवा सकते हैं। जो भी समाजजन इसी प्रकार सावधि जमा से आजीवन पदक प्रदान करने के इच्छुक हों, वे 10,000/- रु. जमा करके लाभान्वित हो सकते हैं। भविष्य में न्यास मंडल जमाराशि को बढ़ाकर जरुरतमंद विद्यार्थियों को आर्थिक सहयोग देने हेतु भी दृढ़संकल्पित है।

प्रतिभावान विद्यार्थियों के नाम के नीचे जो नाम ब्रेकेट में दिए गए हैं, उनकी स्मृति स्वरूप पुरस्कार प्रदान किए गए।

वर्ष 2014 में महाविद्यालयीन परीक्षाओं में उपलब्धिवान विद्यार्थी-

(1) श्रीमती साधना आशीष मेहता
बी.एड. परीक्षा में प्रथम श्रेणी (1000 अंकों में से 640) अंक प्राप्त (स्मृति-संस्थापक न्यासी श्री शांतिलाल पूर्णचन्द्र मेहता)

(2) कु. इशिता गिरीश नागर
(आय.सी.डब्ल्यू किया)
रायसाहब दुर्गाशंकर बापूजी त्रिवेदी

(3) कु. अविशा विनय नागर
(स्मृति एन.डी.जोशीजी)
(आर.जी.पी.वी. भोपाल से बी.ई. इलेक्ट्रॉनिक्स व कम्यूनिकेशन, 7.53 अंक)

(4) चि. मौसम प्रदीप मेहता
आर.जी.पी.वी. भोपाल से बी.ई. (मैके.इंजीनियरिंग 7.14 अंक)
(श्री कृष्ण रमाकांतजी जोशी)

(5) कु.राधिका पिता रवीन्द्र व्यास
आर.जी.पी.वी. भोपाल से बी.ई. इले. व कम्यूनिकेशन 6.92 अंक
(श्री चन्द्रशंकरजी झा)

(6) कु. पंखुरी समीर मेहता
बी.बी.ए. में 66.30 प्रतिशत अंक (देवी अहिल्या विश्वविद्यालय)
(डॉ. उषाकांतजी धोलकिया)

(7) चि. पलाश सुपुत्र जयेश झा
बी.ई. ऑन बायोमेडिकल इन्जी. (यूआईसी)
(शिकागो) अमेरिका में प्रवेश
(श्री श्यामदेवजी झा)

(8) कु. पूर्वी शर्मा
सी.एस. में प्रथम स्थान (डी.डी. खेतान अवार्ड)

(हायर) सिनीयर सेकेण्डरी परीक्षा 2014

सीबीएससी

(1) कु. सलोनी सुपुत्री जय व्यास
92 प्रतिशत
(श्री महेन्द्र कुमारजी लक्ष्मीनारायणजी नागर)

(2) चि. तन्मय सुपुत्र डॉ.नीलेश नागर 86.6 प्रतिशत
(श्रीमती शकुन्तला देवी महेन्द्र कुमारजी नागर)

(3) चि. प्रेरित सुपुत्र दीपक मिश्रा 86 प्रतिशत
(विशेष- म.प्र. शासन स्कूल शिक्षा विभाग मेधावी छात्र प्रोत्साहन प्रशस्ति पत्र, 25,000/- नकद पुरुस्कार)
(श्रीमती मंजुला सतीशजी झा)

(4) चि. हितेश सुपुत्र प्रमोद मेहता 82.40 प्रतिशत
(रायसाहब दुर्गाशंकरजी बापूजी त्रिवेदी)

(5) कु.रागी सुपुत्री मनोज मेहता 82.4 प्रतिशत
(श्रीमती वेणुदेवीजी दुर्गाशंकरजी त्रिवेदी)

(6) चि.कुणाल सुपुत्र विवेक जोशी 80.33 प्रतिशत
(श्री शिवप्रसादजी शर्मा)

हायस्कूल परीक्षा

10वीं सी.बी.एस.सी.

(1) कु. श्रिया सुपुत्री श्री सुनील नागर 91 प्रतिशत
(श्रीमती प्रभादेवी शर्मा)

(2) कु.गितीका सुपुत्री नीरज दवे 90.5 प्रतिशत

(3) कु.साक्षी विनोद पुराणिक 90 प्रतिशत

(4) कु.ख्याति सुपुत्री आशीष मिश्रा 88.8 प्रतिशत

(5) कु. साक्षी सुपुत्री समीर मेहता 6.8 प्रतिशत

(6) कु. अक्षिता योगेश पुराणिक 6.8 प्रतिशत

8वीं (सीबीएससी)

(1) चि.चिरायु मेहता ए1
(2) कु. दिव्या तारकेश्वर व्यास ए1
(3) कु. दिशा पंकज मिश्रा ए1
(4) कु. नंदिनी गिरीश रावल 6.0 सीजीपीए

5वीं (सीबीएससी)

(1) चि. शाश्वत डॉ.नीलेश नागर 85 प्रतिशत

शिक्षण क्षेत्र से अलग विभिन्न विधाओं में विशिष्ट उपलब्धि हेतु

(1) श्री संजय सुपुत्र कृष्णकांत शुक्ल एम.ए. फायनल म्यूजिक (वोकल) 64.86

(2) श्रीमती बिन्दु पति प्रदीप मेहता
पर्यावरण में योगदान। मिट्टी की मूर्ति बना कर बेचना तथा प्राप्त राशि से अनाथ बच्चों को सहयोग। प्रशंसनीय कार्य

(3) श्रीमती शकुन्तला नागर
म्यूजिक डांस में उपलब्धियां खैरागढ़से कोविद अ.भा. गांधर्व वि. मुम्बई से परीक्षा उत्तीर्ण एवं अन्य अवार्ड

(4) चि.शिवांश प्रदीपजी
जूनियर चैम्पियनशिप में प्रथम ताईक्वांडो (फुन्टशोलिंग भुटान)

(5) श्रीमती फाल्गुनीबेन प्रहलादभाई रावल
रा.इ.सू.प्रो.सं. व्यावसायिक वृत्ति प्रोग्रामर (64 प्रतिशत)

(6) चि. पूज्य सुपुत्र नीरज नागर
डिस्ट्रीक्ट कराटे चैम्पियनशिप 2014 में रजत पदक

(7) कु. नमामी आशुतोष जोशी
वेस्ट झोन की जूडो प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान (50 किलो से कम वजन में)

(8) चि.निर्भिक नागर
(क्रिकेट प्रतियोगिता में हिस्सेदारी)

सखी-सहेली ग्रुप, राऊ

चाकलेट बनाने का प्रशिक्षण लिया

राऊ महिला मंडल सखी-सहेली ग्रुप ने मई माह की बैठक में चाकलेट बनाने का प्रशिक्षण श्रीमती नम्रता विजयवर्गीय विशेषज्ञ से लिया। पश्चात् भजन एवं प्रसाद ग्रहण के बाद कार्यक्रम का समापन हुआ।

ग्रुप की आगामी बैठक जून माह में होगी जिसमें वृद्धाश्रम में महिलाओं को साड़ियां वितरित की जावेगी।

उपरोक्त बैठक में श्रमिक कॉलोनी निवासी श्री सुभाष त्रिवेदी को श्रद्धांजलि स्वरूप सभी सदस्यों ने मौन धारण किया। बैठक में सौ.अर्चना बसन्त शर्मा, सौ. विनिता चिन्मय पंड्या, सौ.किरण, हेमन्त शर्मा, सौ.ज्योति विनोद शर्मा, श्रीमती पुष्पा व्यास, सौ.तन्मयता नागर आदि सदस्य उपस्थित रही। बैठकों के बारे में विस्तृत जानकारी हेतु सौ.अर्चना बसन्त शर्मा मो. 8518885382 से सम्पर्क किया जा सकता है।

नागदा में सामूहिक विवाह सम्पन्न

नागदा में 28 अप्रैल को आयोजित सर्वब्राह्मण समाज के तत्वावधान में 13 जोड़ों का सामूहिक विवाह सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। जिसमें संयोजक पं.विजय प्रकाश मेहता ने पधारे स्वजनों का स्वागत किया एवं सहयोगियों का आभार माना। खास बात रही कि इस समारोह में 11 जोड़े नागर ब्राह्मण समाज के थे।

आज भी मीडिया का वजूद सशक्त है : नंदकुमारसिंह चौहान

चैतन्य लोक के स्थापना दिवस समारोह में परिसंवाद और समाजसेवियों का सम्मान

बदलते दौर में सब कुछ बदल रहा है। ऐसे में मीडिया के क्षेत्र में अगर बदलाव हुआ है तो यह कोई अचरज नहीं है। पहले मूल्य आधारित पत्रकारिता हुआ करती थी अब उसका आधार आर्थिक हो गया है। समाचार पत्र पहले विश्वसनीयता की मिसाल थे अब समय पास करने के लिए समाचार पत्र पढ़े जाते हैं। इसके बावजूद आज भी मीडिया का वजूद सशक्त बना हुआ है।

यह विचार प्रदेश भाजपा अध्यक्ष नंदकुमारसिंह चौहान ने व्यक्त किए। वे सुखलिया स्थित आनंद मोहन माथुर सभागृह में समाचार पत्र दैनिक चैतन्य लोक के स्थापना दिवस पर आयोजित परिसंवाद, मीडिया सनसनी, विश्वसनीयता और सामाजिक सरोकार विषय पर मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में बोल रहे थे। श्री चौहान ने कहा कि निश्चय ही अखबार जगत में जो प्रकाशित किया जाता है उसे सही माना जाता है। बेहतर यह हो कि किसी खबर के बारे में खोज परख तथ्य जुटा लिए जाए तो उसकी विश्वसनीयता बढ़ जाती है। महज सनसनी फैलाना ही पत्रकारिता नहीं है बल्कि पाठकों में विश्वास कायम करना और उनकी छोटी से छोटी समस्याओं को प्रमुखता से उठाना भी मीडिया का धर्म होना चाहिए। आज न्यूज चैनल और सीरियलों में कोई फर्क नहीं रह गया है। हम परिवार के साथ टीवी चैनल देखते हैं। बच्चे और नई पीढ़ी इसी को अपनी संस्कृति मान बैठी है। हमारा भी दायित्व है कि हम ऐसे सीरियल और समाचारों का बहिष्कार करे, जो कि समाज को अलग दिशा में धकेल रहे हैं। इससे हमारी संस्कृति का धीरे-धीरे विनाश हो रहा है। यदि इस पर जल्दी रोक नहीं लगाई गई तो आने वाले समय में स्थिति और भयावह होगी।

उन्होंने कहा कि बच्चों को संस्कृति व संस्कार देने के लिए माता-पिता को आगे आना होगा और टीवी, इंटरनेट की दुनिया से अलग हटकर उन्हें समाज में जो अच्छाइयां है उसकी जानकारियां देनी होगी। वरिष्ठ पत्रकार शरद द्विवेदी ने कहा कि बदलते परिवेश में पत्रकारिता का बदलना स्वाभाविक है। समाज में भारी परिवर्तन हुआ है। समाचार पत्र के समूह संपादक दीपक शर्मा ने स्वागत भाषण में कहा कि चैतन्य लोक द्वारा सैद्धांतिक और विश्वसनीय, सकारात्मक पत्रकारिता के माध्यम से जनता की आवाज बनने का प्रयास किया जा रहा है। यह समाचार पत्र हिन्दी के साथ-साथ संस्कृत में भी प्रकाशित होता है। संस्कृत हमारी सभ्यता और संस्कृति की सबसे प्राचीन भाषा है। समारोह में भाजपा के संगठन मंत्री शैलेन्द्र बरुआ, राज्य खनिज निगम के पूर्व उपाध्यक्ष गोविंद मालू, अवंतिका के प्रधान संपादक सुरेन्द्र मेहता 'सुमन', वरिष्ठ पत्रकार राधेश्याम चौऋषिया, झाबुआ संस्करण के संपादक अशोक बलसोरा, धार संस्करण के संपादक शशिभूषण बजाज भी मौजूद थे।

समारोह में शहर में अपनी विशिष्ट सेवाओं के लिए उल्लेखनीय कार्य करने वाली हस्तियों के रूप में विश्व विख्यात नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. पी.एस. हार्डिया, डॉ. सतीश शुक्ला, समाजसेवी बाबूभाई महिदपुरवाला, फोटोग्राफर जाकिर अली मरहूम, वरिष्ठ फिल्म समीक्षक ब्रजभूषण चतुर्वेदी, वरिष्ठ पत्रकार राजेश यादव आदि को सम्मानित किया गया। अतिथि स्वागत इन्दौर प्रेस क्लब अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल, महासचिव अरविंद तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार तपेन्द्र सुगंधी, प्रेस क्लब के पूर्व उपाध्यक्ष नवनीत शुक्ला, प्रेस क्लब पूर्व कोषाध्यक्ष आलोक ठक्कर, पत्रकार अनिल मिश्रा, जगदीश शाह, ओम त्रिवेदी, राजेन्द्र नागर, मनीष नागर, रिंकेश पोरवाल, इंदर मोहन चौपड़ा, राजकुमार जोशी, कैलाश जिंदल, भावेश शुक्ला, कन्हैया मेहता, रमेश जोशी, गंगाराम भामोरे, यश दग्दी, महेश मेहता, प्रबल शर्मा, विवेक मेहता, दिव्यांश शर्मा, विजय ओझा व समाचार पत्र समूह के पवन शर्मा, मनीष शर्मा ने किया। समारोह में सांस्कृतिक संगीत प्रस्तुति आनंद गुप्ता समूह ने दी। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रेस क्लब सचिव संजय लाहोटी ने किया व आभार दीपक शर्मा ने माना।

अधर्म के विनाश के लिए धर्म का गोवर्धन पर्वत उठाओ : पं. सुधांशु महाराज

खजराना गणेश मंदिर के कंचन हाल में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान गंगा यज्ञ का समापन हुआ। पं. सुधांशु महाराज ने अपने उद्‌बोधन में भक्तजनों को सम्बोधित करते हुए कहा कि यदि जीवन को सार्थक और सफल बनाना है तो भगवान की शरण में जाना ही होगा। भावगत कथा सुनने नहीं बल्कि उसका अनुसरण करने की कथा है। खजराना गणेश मंदिर की प्रबंध समिति, समस्त ग्रामवासी एवं मंदिर के पुजारी भट्ट परिवार के सहयोग से आयोजित कथा में बड़ी संख्या में भक्तजन उमड़े। कथा के दौरान विभिन्न मनोरथों में भक्तजनों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पं. सुधांशु महाराज ने कथा का वाचन करते हुए भक्तजनों से कहा कि सत्य ही नारायण है और यहीं सृष्टि का सार हैं।

सत्य परेशान हो सकता हैं लेकिन पराजित नहीं। सत्य के मार्ग पर चलकर ही जीवन को भक्ति और सुखमय बनाए। असत्य के मार्ग में क्षणिक सुख और दुःख ज्यादा हैं। पाप और अनीति की कमाई कई पीढ़ियां बर्बाद कर देती हैं। ईश्वर सत्य का ही साथ देते हैं। श्रीमद् भागवत कथा सिर्फ सुनने की कथा नहीं हैं, यह जीवन का सारांश हैं। महाराजश्री ने जब भजन सुनाएं तो भक्तजन झूम उठे। कथा के दौरान जब भक्तगण मंगलवार को इन्दौर से लेकर उत्तरभारत और नेपाल तक आये भूकंप के बारे में चर्चा करने लगे तो महाराजश्री ने कहा कि प्रकृति और पृथ्वी अपना संतुलन बनाती हैं। हमें ईश्वर व्दारा प्रदत्त नियमों का पालन करना चाहिए। प्रकृति से खिलवाड़ करोगे तो विनाश का सामना करोगे। कथा

18 मई तक दोपहर 2 बजे से संध्या 5 बजे तक आयोजित की जा रही हैं। कथा का आयोजन मंदिर की प्रबंध समिति, ग्रामवासी एवं पुजारी भट्ट परिवार के सहयोग से किया जा रहा हैं।

आयोजन समिति के पं. कन्हैया मेहता ने बताया कि महाराजश्री अबतक खास कर ग्रामीण क्षेत्रों में भागवत कथाएं कर चुके हैं एवं कथा के माध्यम से वे सामाजिक संदेश भी देते हैं। कथावाचन पश्चात् महाराजश्री भक्तों की समस्याएं भक्ति के माध्यम से दूर करने के उपाय भी बताते हैं। कथा के दौरान शिव–विवाह मनोरथ भी हुआ। महाराज ने कहा कि अधर्म के विनाश के लिए धर्म का गोवर्धन पर्वत उठाओ। भगवान श्रीकृष्ण ने जन्म लेते ही कल्याण की लीलाएं शुरु कर दी थी। वे कभी नटखट होकर माखन चुराते हैं तो वृंदावनवासियों की रक्षा के लिए गोवर्धन पर्वत उठाते हैं। गोपियों के संग रासलीला करते हैं। कभी ग्वाला बनकर गायों का चैन चुराते हैं, तो कभी बंसी की धुन पर सबकों मोहित करते हैं। महाभारत के युध्द के दौरान कर्म करने का उद्देश्य देते हैं। संसार में कृष्ण से बड़ा कोई दूसरा ज्ञानी नहीं हैं। तो फिर हम ऐसे भगवान की भक्ति में संकोच क यों करते हैं।

महाराजश्री ने कहा कि संसार में जन्म लेने वाले प्रत्येक जीव का धर्म हैं कि वह अपनी दिनचर्या का कुछ समय भक्ति और सद्‌कार्य में भी लगाएं। तभी हमारे कष्टों का हरण होगा। भक्ति ही ऐसी रामबाण औषधि हैं जो हमारे सभी मनोरथ पूर्ण करती हैं। महाराजश्री ने जब नटखट कृष्ण कन्हैया और मोहन मुरलीवाले भजन सुनाये तो भक्तजन हाथ उठाकर झूमने लगे। कथा का आयोजन मंदिर की प्रबंध समिति, ग्रामवासी एवं पुजारी भट्ट परिवार के सहयोग से किया गया। कथा के दौरान रासलीला, कंसवध और रुक्मणी विवाह प्रसंग हुआ।

पं. सुधांशु महाराज की कथा हेतु श्री कन्हैया मेहता मो. 9826028874 से सम्पर्क कर सकते हैं।

भक्ति का मुख्य उद्देश्य भगवान की प्राप्ति

इसका उत्तर ये है कि जैसे मन स्वतंत्र है वैसे ही भक्ति भी स्वतंत्र है ।लेकिन ये एकनिष्ठा भक्ति नहीं हुई कि आप मन के साथ मनमर्जी से चाहे जहाँ उड़ते फिरें ।भक्ति तो वह है जिसमें सम्पूर्ण कर्मों को भगवान् को समर्पित कर दिया जाये और एक क्षण के लिए भी भगवान् मन से बाहर चले जाएँ तो भक्ति नीरस हो जाती है ।लेकिन जैसे ही ये लगे की मन भक्ति से बाहर जा रहा है तुरंत ही पश्चताप कर लेना चाहिए ।भक्ति को अनुभव करो ।आँख बंद करो मन को कसके पकड़ने के लिए मन का चिंतन करो ।एकांत में चित्त को स्थिर करने का अभ्यास करो । और हाँ दिन रात ईश्वर में अनुराग रखो ;उनके स्वरूप को महसूस करो ।क्योकि भक्ति का मुख्य उद्देश्य अंततः भगवान् को प्राप्त करना ही है ।लेकिन भक्ति करते समय हम ज्ञान को बीच में ले आते हैं ।फिर चिंता आ जाती है फिर दिमाग कुछ अलग ही कहने लगता है और मन कुछ अलग ।और यहीं से भक्ति अलग ......

तो एक उपाय देता हूँ की नाभि पर 20 बार गोल गोल लेफ्ट टू राईट अपना सीधा हाथ घुमाएं और मन्त्र जपें ? मनसे नमः ।

एक प्रश्न जो दिल को छु गया ।मुम्बई से आशीष नागर और भोपाल से प्रिया व्यास ने पूछा ।क्या भक्ति करने या भगवान् की पूजा करने से पूर्व जनम या इस जनम के पाप कट जाते हैं ?

जनम लेने के बाद जीव ने देह के साथ जिन विषयों का संग किया वही दु:ख का लक्षण है ।कर्म पीछा नहीं छोड़ते ये याद रखना होगा ।किन्तु मन्त्र ;स्त्रोत ;दान सत्य ;लोक कल्याण से प्रारब्ध को काटा जा सकता है और अगले जनम की एडवांस बुकिंग की जा सकती है।

कई स्त्रोत है जिनमे अंत में कहा गया की सप्तजन्म पापम् विनश्यति कुछ में कहा गया जैसे द्वादस ज्योतिर्लिंग नाम में तो ये भी कहा गया कि सप्तजन्म कृतम् पापम् स्मरेन विनश्यति पर प्रश्न है की सात जनम के पाप कर्म किसको पता ? क्योंकि यहाँ शर्त ये है कि पाप का स्मरण करोगे तो वो नष्ट हो जायेंगे । तो क्या करें । विषय फिरसे पश्चाताप पर आ गया। बस प्रायश्चित करें ज्ञात अज्ञात अपराधों के लिए क्षमा मांगे । पितृ कर्म करें ऋषी तरपन करें देव तर्पण करें । भगवान् का अनुष्ठान् करें ।भाव और विश्वास के सहारे ये आग्रह करता हूँ कि आप इन बताये हुवे मार्ग पर चलें कल्याण होगा ।इस बार बस इतना ही ।

आप भी श्री गणेशाचार्यजी से विभिन्न विषयों पर अपने प्रश्न पूछ सकते हैं मो.9893888498 (गुरुजी)

खंडवा के पदमेश को स्वर्ण पदक

खंडवा। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट के 16वें दीक्षांत समारोह में खण्डवा के पदमेश को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया। उन्हें आईआईएम के पोस्ट ग्रेज्युएट डिप्लोम इन मैनेजमेन्ट फॉर एक्जीक्यूटिव कोर्स में सर्वाधिक अंको के साथ प्रथम स्थान हांसिल करने पर यह सम्मान दिया गया। पदमेश सेवानिवृत्त शिक्षक एम.आर. मण्डलोई के पुत्र हैं और स्कूली दौर से वे हर परिक्षा में मेरिट में स्थान प्राप्त करते रहे हैं।

चि.अभिषेक नागर का चयन

अभिषेक नागर सुपौत्र- श्री यदुनंदनजी नागर, सुपुत्र श्री ललितकुमार नागर का चयन भारत ओमान रिफायनरी लिमि. (बीओआरएल) में ट्रेनी मैनेजमेन्ट के पद पर हुआ है। इनकी इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना।

समस्त नागर परिवार भंडावद तह. नलखेड़ा, जिला आगर

चि.निशान्त व्यास को सुयश

ग्वालियर। इंजीनियर चि.निशान्त व्यास सुपुत्र मीना रामकुमार व्यास की नियुक्ति बहुराष्ट्रीय टेलीपरफार्मेन्स कम्पनी (यूएसए) में टेक्नीकल सपोर्ट एक्जीक्यूटिव के पद पर जयपुर में हो गई है। आप सौ. सुशीला-राधारमणजी व्यास के सुपौत्र है।

-कृष्णगोपाल व्यास 40, श्रीराम नगर, उज्जैन 9425916155

कुलदीप नागर

पिता श्री बालकृष्ण नागर मक्सी ने कॉल्पीगं कान्वेट हायर सेकेण्ड्री स्कूल से कक्षा 6टी में 61 प्रतिशत अंक के साथ उत्तीर्ण की ।

चि.मितेश नागर का सुयश

खाचरोदा जिला धार निवासी डॉ. मोहनलाल-सौ.शारदा देवी के सुपुत्र चि.मितेश नागर ने कक्षा 10वीं की परीक्षा 82.5 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। बधाई।

हितेश नागर का चयन

चि.हितेश नागर (सुपुत्र-सौ.सुनीता-महेश नागर का चयन भारतीय सेना में हुआ है) वे वर्तमान में नागपुर में प्रशिक्षण ले रहे हैं।

बांसुरी वादक विनीत शर्मा को अंतरराष्ट्रीय पहचान

बांसुरी वादन के क्षेत्र में राष्ट्रीय पहचान रखने वाले राऊ के श्री विनीत शर्मा को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली है। गत माह उन्होंने सिंगापुर में इंडियन कल्चर क्लब के कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति दी। पश्चात् आठ दिन की थाईलैंड यात्रा कर भारत लौटे। बधाई।

कु. सोनू व प्रतिष्ठा को मिला सुयश

पिपलियामंडी सेन्टथामस मंदसौर में कक्षा 12 वीं की छात्रा कु.प्रतिष्ठा पिता विनोद नागर ने 6सीबीएससी8इस वर्ष 80ब अंक प्राप्त कर प्रथम् स्थान पाया इसी तरह कु. सोनू पिता चंद्रशेखर नागर 6आर्मी8नेनोरा ने सिकन्दराबाद केन्द्रीय विद्यालय में 10 वीं बोर्ड की परीक्षा में 80ब अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान पाया दोनो बालिकाओ के विद्यालय परिवार तथा परिजनों ने हार्दिक बधाई देते हुए उनके लिए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कु. विनाली त्रिवेदी बी.बी.सी. लंदन में

कु. विनाली त्रिवेदी, (सुपौत्री- स्व.श्रीरमाकांतजी त्रिवेदी, सुपुत्री- श्री मुकेश त्रिवेदी विगत तीन वर्षों से माईंड ट्री सॉफ्टवेयर पुणें इंजीनियर के पद पर कार्यरत थी, उपरोक्त कम्पनी द्वारा उन्हें विशेष प्रोजेक्ट हेतु बी.बी.सी. लंदन, मेनचेस्टर (यु.के.) के लिए भेजा गया, वे वहाँ 4 माह से अपनी सेवाएं दे रही हैं तथा इस बीच उनकी पदोन्नति सीनियर इंजीनियर के पद पर हो गई है। वे एक वर्ष तक अपनी सेवाएँ बी.बी.सी. लंदन में देंगी। बधाई।

कु.सोनाली त्रिवेदी को पदोन्नति

कु.सोनाली त्रिवेदी (सुपौत्री- स्व.रमाकांतजी त्रिवेदी एवं सुपुत्री-श्री मुकेश त्रिवेदी ने एसेन्चर सॉफ्टवेयर (पुणे) में सीनियर सॉफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर ज्वाईन कर लिया है। इससे पूर्व कु.सोनाली विगत तीन वर्षों से माईन्ड ट्री कंपनी बैंगलोर में इंजीनियर के पद पर कार्यरत थीं।

-राकेश त्रिवेदी
60, सुभाष नगर, इन्दौर मो.98933-69080

चि.चेतन त्रिवेदी का चयन

चि. चेतन त्रिवेदी (सुपौत्र- स्व.श्री रमाकांतजी त्रिवेदी-श्रीमती अवन्ताबाई त्रिवेदी, सुपुत्र- श्री राकेश-सौ.सुनीता त्रिवेदी) का चयन एल.एंड टी. कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर हो गया है। तीन माह के प्रशिक्षण के पश्चात उन्हें चेन्नई भेजा गया है।

मेघना नागर का सुयश

विपिन नागर, चार्टर्ड एकाउंटेंट , मेरठ एवं श्रीमति वत्सला नागर की सुपूत्री मेघना नागर ने कक्षा-12 (आई.सी. एस.ई.) में 97.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर नागर परिवार को गौरवान्वित किया है सुश्री मेघना नागर सोफिया गर्ल्स स्कूल, मेरठ की छात्रा है तथा उनके बड़े भाई विपुल नागर भी मेधावी छात्र रहे है तथा वर्तमान में सी. ए. की पढ़ाई कर रहे है मेघना नागर को बहुत-बहुत बधाई।

सौ.दिव्या नागर को बी.एड. परीक्षा में सफलता

सौ. दिव्या-नितीन नागर पुत्र-वधू श्री दिनेशचन्द्र नागर देवास ने भोज विश्वविद्यालय भोपाल से वर्ष 2015 की बी.एड. परीक्षा में 72 प्रतिशत अंक अर्जित कर सफलता प्राप्त की। उनकी उपलब्धि पर पत्रकार श्री हरिनारायण नागर, अनिता नागर, मनमोहन-सौ.सुनीता नागर श्रद्धा नागर ने बधाई दी है।

कु.कृष्णा नागर, बैंगलोर

कु.कृष्णा नागर सुपौत्री- सौ.चन्द्रकला दयाराम नागर सुमेरपुर (राज.) सुपुत्री-सौ.वर्षा नरेश नागर, बैंगलोर (कर्नाटक) ने कक्षा आठवीं में 88 प्रतिशत अंक प्राप्त कर कक्षा 9वीं में प्रवेश किया। बधाई।

कु.दर्शना नागर, बैंगलोर

कु.दर्शना नागर सुपौत्री-सौ.चन्द्रकला दयाराम नागर सुमेरपुर (राज.) सुपुत्री सौ.वर्षा नरेश नागर बैंगलोर (कर्नाटक) ने कक्षा 6ठीं से 92 प्रतिशत अंक प्राप्त कर कक्षा सातवीं में प्रवेश किया। बधाई।

आस्था को सफलता

मुम्बई निवासी कु.आस्था पुत्री श्री विनयजी दीक्षित ने ICSE 2015 परीक्षा 80 प्रतिशत नम्बरों से पास की। उन्होंने गणित, अंग्रेजी, सामाजिक विज्ञान तथा शारीरिक विज्ञान विषयों में distinction (विशेष स्थान) प्राप्त किया।

बॉस अपनी सेक्रेटरी से- तुम आज फिर आधे घंटे देर से आयी हो, क्या तुम्हें मालूम नहीं कि यहां पर काम कितने बजे से शुरू होता है?
सेक्रेटरी बोली- मालूम नहीं सर, जब भी मैं यहां आती हूं तो लोगों को काम करते हुए ही पाती हूं.

कला मंदिर के कलाकारों ने गोल्ड मेडल जीता

गोवा एम.पी. यू.एस.ए. में आयोजित चतुर्थ राष्ट्रीय नृत्य एवं खेलकूद चैम्पियनशिप 2015 में पुनः एक बार उज्जैन कला मंदिर के कलाकारों ने उत्तम नृत्य की प्रस्तुति देकर उज्जैन नगर का नाम गौरवांवित किया। दिनांक 16 से 18 मई 2015 को आयोजित इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, आंध्रा, केरला, तेलंगाना, म.प्र. राज्यों ने अपनी-अपनी कला का प्रदर्शन किया। इनमें तीन विधाओं में कला मंदिर के 16 कलाकारों ने भाग लेकर श्रेष्ठ नृत्य प्रदर्शन की प्रस्तुती देकर गोल्ड मेडल अर्जित किया।

जुनियर समूह नृत्य कथक में कांची पुराणिक, अक्षिता पुराणे, हितेशी शर्मा, आर्या मेहता, ऐश्वर्या शर्मा, अंजली प्रजापत ने प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल अर्जित किया। सीनियर लोक नृत्य में श्रीमती प्रीति पुराणिक, श्रीमती कीर्ति कालभंवर, श्रीमती अर्चना नाईक, श्रीमती रेखा त्रिपाठी, श्रीमती सीमा श्रीवास्तव ने प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल अर्जित किया वहीं सब जूनियर युगल नृत्य में सृष्टि पाठक और दिव्यांशी नाईक ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर सिलवर मेडल प्राप्त किया। जूनियर एकल नृत्य में गियांगी कुशवाह ने गोल्ड मेडल अर्जित किया और कथक सीनियर एकल नृत्य में प्रशांत राजपूत व सीनियर एकल लोकनृत्य में शरद त्रिवेदी ने अपनी कला का प्रदर्शन कर गोल्ड मेडल अर्जित किया। इन सभी नृत्य का निर्देशन श्रीमती राजश्री पुराणिक एवं प्रीति शर्मा ने किया।

श्रीमती प्रतिभा नागर को 'बेस्ट नाड़ी विशेषज्ञ' पुरस्कार

जब टूटने लगे हौंसले तो इतना याद रखना कि.. बिना मेहनत के 'तख्त-ओ-ताज हासिल नहीं होते...।
ढूंढ लेते हैं जुगनू, अंधेरों में भी मंजिल... क्योंकि वो कभी रोशनी के मोहताज नहीं होते...।

श्रीमती प्रतिभा नागर पत्नी स्व.डॉ.अनूप चन्द्र नागर एक सफल आयुर्वेदाचार्य हैं। प्रतिभा में यह प्रतिभा शनैः-शनैः अपने पति की जीवन संगनी बनने पर आयी। स्व.डॉ.अनूपचन्द्र नागर एक प्रसिद्ध आयुर्वेदाचार्य रहे हैं। साथ ही वे ज्योतिष शास्त्र में भी पारंगत थे। अक्सर यह देखा जाता है कि डॉक्टर का लड़का डॉक्टर बनता है। वकील का लड़का वकील, अध्यापक का लड़का अध्यापक लेकिन पति के व्यवसाय से जुड़ने का और पति की मृत्यु के उपरांत भी उनके नक्शे कदम पर चलना बहुत कम देखने में आता है। श्रीमती प्रतिभा नागर भी आयुर्वेदाचार्य के रूप में इन्दौर में जानी मानी है। हाल ही में वैष्णव संस्था द्वारा उन्हें 'बेस्ट नाड़ी विशेषज्ञ' से नवाजा गया है एवं इन्दौर आयुक्त श्री संजय दुबे द्वारा सम्मानित किया गया है। सम्पूर्ण नागर परिवार उनकी उपलब्धि पर गौरवान्वित अनुभव करता है। आप स्व.श्री कृष्ण वल्लभ नागर की पुत्री हैं।

-अनुभा आनन्द दवे
गौरी-अभिषेक मेहता, गौरव नागर

श्रीमती नागर को सेवानिवृत्ति पर बधाई

शिक्षा जगत की गौरव श्रीमती भुवनेश्वरी नागर पुत्री श्री अम्बालालजी नागर ने रा.बा. उ.प्र.विद्यालय झालावाड़ से 39 वर्ष की सफलतम राजकीय सेवा पूर्ण कर प्रधानाध्यापिका पद से सेवानिवृत्ति प्राप्त की। श्री रामगोपाल नागर (पति) सौ.तरुणा-श्री जीवन शंकर नागर, श्रीमती करुणा-श्री अम्बुज भट्ट, श्रीमती वरुणा-श्री प्रबल मेहता, पुत्र दामाद, अरुणा नागर पुत्री चि. शिवप्रसाद नागर पुत्र एवं समस्त नागर परिवार ने इस अवसर पर बधाई, शुभकामनाएँ दी। फोन 07432-232344, मो. 9829182412

श्रीमती माधुरी पुराणिक को पीएचडी की उपाधी

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय द्वारा श्रीमती माधुरी अनुरोध पुराणिक को उनके शोध प्रबंध 'राज्यों के औद्योगिक विकास में निवेशकों के सम्मेलनों की भूमिका का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन' विषय पर पीएचडी उपाधी प्रदान की गई। श्रीमती पुराणिक समाज के सक्रिय कार्यकर्ता श्री विनोद पुराणिक की बहु है। वर्तमान में श्रीमती पुराणिक प.म.ब. गुजराती वाणिज्य महाविद्यालय में वाणिज्य विषय की सहायक प्राध्यापक पद पर कार्यरत है।

शोध कार्य को बेहतर तरीके से सम्पन्न कराने के लिए प.म.ब. गुजराती महाविद्यालय के मुर्धन्य प्राध्यापक तथा नागर समाज के प्रो.डॉ.राजेन्द्र शर्मा का विशेष सहयोग श्रीमती पुराणिक को मिला।

-माधुरी पुराणिक
मो. 9907895504

चि. भवम नागर

जय माँ राजेश्वरी

तुम जियो हजारो साल,
ये है मेरी आरजू

1st Birthday

सुपुत्र- सौ.पूनम-अनिरुद्ध नागर
को 14 जून को प्रथम जन्मदिवस की बहुत-बहुत बधाई।
आशीर्वाददाता- दादा-दादी, बड़े पापा-बड़ी मम्मी, काका एवं भय्या एवं समस्त राजराजेश्वरी नागर परिवार, शाजापुर, बुआजी-फुफाजी एवं भय्या दीदी, नानाजी-नानीजी, मामा-मामी, भय्या एवं बहन, शर्मा परिवार, गुना

सौजन्य- जय माँ राज राजेश्वरी ट्रेवल्स
(शाजापुर) मो. 9826674599

प्रथम जन्मदिवस पर
आशीषमयी शुभकामनाएँ

मिहिका

सुपुत्री
सौ.ऋचा-सुमित रावल

10 मई

आशीर्वाददाता-
परदादा-दादी- पं.चतुर्भुज-सौ.सरजुबाई रावल
बड़ेदादा-दादी- राजेन्द्र-सौ.चन्द्रकान्ता रावल
दादा-दादी- दिनेश-सौ.निर्मला रावल
ताऊ-ताई- नीरज-सौ.पायल रावल
काका- सौरभ रावल
परनाना-नानी- गेन्दालाल-सौ.गिरजा नागर (सुतारखेड़ा)
नाना-नानी- कैलाश-सौ.ऋतु मेहता (केसूर)
बुआ-फुफाजी- पुरुषोत्तम-सौ.पुष्पा रावल (इन्दौर)
शैलेन्द्र-सौ.रजनी नागर (इन्दौर)
मामा-पंकज मेहता (केसूर) एवं समस्त रावल परिवार,
खजराना, इन्दौर मो. 9229995800, 9893860306

चि.मयंक नागर

(सुपुत्र- श्री विमल-सौ.साधना नागर)

5 जून

शुभाकांक्षी- शंकरलालजी-दादाजी, कैलाशीबाई-दादीजी
कमल नागर-सौ.अर्चना (बड़े पापा-मम्मी),
श्री दिनेशजी-सौ.भागवंतादेवी नागर (नाना-नानी), रंथभंवर
उमेश-मामाजी, शैफाली-बुआ, सुरेश मेहता-सौ.किरण-बुआ-फुफाजी (हरसोदन)
दिनेश जोशी-सौ.आशा जोशी, राऊ (बुआ-फुफाजी)
सचिन निकिता, माही एवं समस्त परिवार

ॐसाँई राम फोटो स्टूडियो

पीपलू तह. बड़नगर जि.उज्जैन, मो. 9754030879

कु.अम्बिका भट्ट
सुपुत्री- सौ.छाया-पवन भट्ट
26 जून
शुभाकांक्षी- नागर परिवार
मोती बंगला देवास, मो. 9827678692

नैतिक नागर

सुपुत्र-अशोक-सौ.गुंजा नागर
11 जुलाई
समस्त नागर परिवार,
आगर (मालवा)

कु.नम्रता नागर
(सुपुत्री- मणीशंकरजी-सौ.नीलम नागर)
दिनांक 14 जून
शुभाकांक्षी- दादाजी-आनंदीलालजी नागर
दादी-सौ.कृष्णाबाई नागर
नलखेड़ा जिला आगर मो. 8120216443

जय नागर (भोलू) पिता माता गोपालकृष्ण श्वेता नागर दादा दादी कन्हैयालाल पवित्रा नागर काका काकी प्रकाश ज्योति नागर काका महेश नागर भाई अक्षय व दिपक नागर परिवार कडोदिया की ओर से जन्म दिन की हार्दिक बधाई आप जुग जुग जिये

बधाई। श्रीमती तनुजा व्यास एवं श्री हितेष व्यास लसुर्डिया ब्राह्मण के विवाह वर्षगाँठ के शुभ अवसर पर हार्दिक हार्दिक शुभकामनाएँ बधाई। बधाईदाता-समस्त लसुर्डिया ब्राह्मण व्यास परिवार एवं समस्त संस्कार ग्रुप, परिवार शाजापुर।

श्रीमती शिखा एवं श्री नमन नागर

श्रीमती शिखा नागर एंव श्री नमन नागर के विवाह वर्षगाँठ के शुभ अवसर पर हार्दिक हार्दिक शुभकामनाएँ बधाई। बधाईदाता- श्रीमती उमा-शांतीलाल जी नागर (पापा मम्मी) श्रीमती संतोष-मणीशंकर जी नागर (सास ससुर) श्रीमती प्रियंका-आशीष नागर (भैया भाभी) कुशल, चिराग, नमामि, शिवामी एंव समस्त नागर परिवार।

श्रीमती कविता नागर एवं श्री ओमप्रकाश जी नागर

श्रीमती कविता नागर एवं श्री ओमप्रकाश जी नागर (खोरीया वाला) के विवाह वर्षगाँठ के शुभ अवसर पर हार्दिक हार्दिक शुभकामनाएँ बधाई।

बधाईदाता-समस्त शाजापुर, उज्जैन एंव खोरिया एमा नागर परिवार।

विवाह सूत्र में बँधे

दि. 7 मई 2015 विश्वनाथ पाठक पुत्र श्री पुष्पेन्द्र पाठक निवासी हिण्डौन सिटी राजस्थान का विवाह श्री रामप्रसाद शर्मा इन्दौर की सुपुत्री सृष्टि शर्मा से दिनांक 7 मई 2015 को सम्पन्न हुआ।

पं.राजेन्द्र प्रसाद नागर
सौ.चन्द्रकला नागर (बनेठा वाले)

विवाह की 25वीं वर्षगांठ की हार्दिक बधाई।
शुभाकांक्षी - समस्त सवितान नागर ब्राह्मण परिवार (बनेठा वाले) जि. टोंक (राज.) मो. 09694318780

बधाई

प्यार भी हाटकेश से है...
तकरार भी हाटकेश से है...
आस भी हाटकेश से है...
विश्वास भी हाटकेश से है...
रुठना भी हाटकेश से है...
मनाना भी हाटकेश से है...
बात भी हाटकेश से है...
मिसाल भी हाटकेश से है...
दोस्ती भी हाटकेश से है...
शाम भी हाटकेश से है...
जिन्दगी की शुरुआत भी हाटकेश से है...
जिन्दगी मे मुलाकात भी हाटकेश से है...
मौहब्बत भी हाटकेश से है...
इनायत भी हाटकेश से है...
काम भी हाटकेश से है...
नाम भी हाटकेश से है...
ख्याल भी हाटकेश से है...
अरमान भी हाटकेश से है...
ख्वाब भी हाटकेश से है...
माहौल भी हाटकेश से है...
यादे भी हाटकेश से है...
मुलाकात भी हाटकेश से है...
सपने भी हाटकेश से है...
अपने भी हाटकेश से है... !
या यूं कहो.....
? अपनी तो दुनिया ही हाटकेश से है...?

18 जून 2015 (गुरुवार)
कमलेश त्रिवेदी
बधाईकर्ता- समस्त त्रिवेदी परिवार उज्जैन 9826369601

प्रशान्त डॉ. गोपेश नागर

जन्म दि. 14.4.1984
6.11PM,अकलेरा (राज.)
शिक्षा- चार्टर्ड अकाउटेंट
कार्यरत- बायोस्टेट इंडिया प्रा.लि. मुम्बई, पैकेज- 9 लाख
सम्पर्क- (अकलेरा) 09887623550 (पिताजी), 08504854965 (माताजी)

जयेश शुक्ला
जन्मदि. 7-1-1986
स्थान-रतलाम
12.30 ए.एम.
कद- 5'3"
कार्यरत- शासकीय सेवा शिक्षा विभाग
सम्पर्क- मो. 9907650012

ईशान विनोद नागर

जन्मदि. 29-6-1990,
कद- 5'11"
3.15 पी.एम., ग्वालियर
शिक्षा- एम.बी.ए. (मार्केटिंग एवं फायनेंस) बी.कॉम.
कार्यरत-सहा.प्रबंधक आईसीआईसीआई बैंक
सम्पर्क- ग्वालियर मो. 9406983588

प्रवीण स्व.श्री राजेन्द्र रावल (मांगलिक)

जन्मदि. 28-1-1989
12.30 पी.एम., भोपाल
कद- 5'10"
शिक्षा- बी.कॉम. (टैक्सेशन), एम.बी.ए. (एचआर)
कार्यरत- वर्किंग इन रीयल एस्टेट
आय- मासिक 50,000/-
सम्पर्क- भोपाल 9826470339, 9826012383

प्रणव नागर

जन्मदि. 4-8-1985
17.55 उदयपुर (राज.)
शिक्षा- एम.बी.ए.
कार्यरत- इन्वेस्टमेन्ट मैनेजर, सिटीबैंक, मुम्बई
पैकेज- 16.50 लाख
सम्पर्क- 0294-2489573, 9413953710

दीपक शरदचन्द्र शर्मा

जन्मदि. 22 अगस्त 1973,
इन्दौर, कद- 5'3"
गौत्र- भारद्वाज (चौबे),
शिक्षा- एम.कॉम., एम.फिल., एम.बी.ए. (फायनेंस)
कार्यरत- स्वयं की कोचिंग क्लास
सम्पर्क- इन्दौर फोन 0731-2447455

हर्षित मेहता
जन्मदि. 7-12-1990 समय-6.45 ए.एम.
उदयपुर (राज.), शिक्षा- बी.टेक. (मैकेनिकल)
कार्यरत- कोटा थर्मल पॉवर प्लांट
सम्पर्क- बुन्दी (राज.) मो. 941326009

स्वरीश भेरुशंकर दशोरा
जन्मदि. 17-6-1988, इन्दौर

कद- 5'11"
शिक्षा- एमटेक कम्प्यूटर साईंस
कार्यरत- एरिक्सन ग्लोबल चैन्नई
सम्पर्क- उदयपुर मो. 09461915274

उम्र- 24, कद- 5'3"
शिक्षा- आय.एच.एम.
कार्यरत- गेटवे होटल, बैंगलोर में ड्यूटी मैनेजर,
सम्पर्क- 07417984404

यशस्वी ए.एल. नागर

जन्मदि. 5-6-1993,
4.48 ए.एम., शाजापुर
शिक्षा- बी.ई.
कार्यरत- सिविल इंजीनियर, इन्दौर
सम्पर्क- आगर (मालवा),
मो. 9926026659

राजू कैलाशचन्द्र नागर
जन्मदि. 17-4-1984
समय- 12.15 पी.एम., लसुर्डिया हाजी तह. नरसिंहगढ़(राजगढ़)
शिक्षा- बी.ए. द्वितीय वर्ष (अध्ययनरत)
कार्यरत- पंडिताई (ब्यावरा)
सम्पर्क- ग्राम कोहडिया मो. 9009447166

हरीश स्व.कांताप्रसादजी नागर
जन्मदि. 29-07-1985, 5.45 शाम

शिक्षा- बी.ए.डी.सी.ए., सी.एन. आयएलटी
कार्यरत-प्रधानाचार्य सरस्वती शिशु मंदिर, स्वव्यवसाय
मासिक आय- 15,000/-
सम्पर्क- आगर मालवा
मो. 8305965488, 9981074837

सुमित विनोदकुमार नागर

जन्मदि. 30-12-1986
स्थान- वाराणसी (उ.प्र.)
शिक्षा- एम.बी.ए., कद- 6'2"
कार्यरत- कृति इंडिया इंडस्ट्रीज मुम्बई
वार्षिक आय- 4 लाख
सम्पर्क मो. - 09919688984

कुन्दन महेश पोद्दार (गौत्र कश्यप)

जन्मदि.26-9-86, खंडवा
शिक्षा- M.Com. PGDCA
कार्यरत-कंपनी में लेखापाल
सम्पर्क- खंडवा
मो. 9179638642

रोहित अशोक गुरु
जन्मदि.24-5-87,समय-6.00 पी.एम., खंडवा, कद- 5'9", गौत्र- कश्यप

शिक्षा- बी.ई. (सीएसई 2009)
कार्यरत- टेस्ट एना लिस्ट, बार्कले पुणे
वार्षिक आय- 8 लाख
सम्पर्क- 9406852088, 9923349905

तन्मय मुकेश दीक्षित
जन्म दि. 20 अक्टूबर 1990
5.30 एएम. स्थान- धारंगध्रा (सुरेन्द्र नागर)
शिक्षा- बी.कॉम., एम.बी.ए. (आय.टी.)
कार्यरत- फ्रंट-एंड डेवलपर (सायबर इंफ्रास्टक्चर इन्दौर)
मासिक- आय- 25,000/-, कद 6'1"
सम्पर्क- इन्दौर 7582910361, 7581819320

मनीषा नागर
जन्म दि. 7-6-1985
समय-5.25 ए.एम.
कोलकाता, कद- 5'5"
शिक्षा- एम.बी.ए. (एचआर)
कार्यरत- एम.एन.सी. गुड़गांव
सम्पर्क- जी.एल. नागर मो. 8126272755
(एन.सी.आर. वरीयता)

नीतू राधेश्याम नागर
जन्म दि. 18-7-1986
शिक्षा- 12वीं
सम्पर्क- तराना
मो. 9752089133

यामिनी मेघशंकर नागर
जन्म दि. 15-12-1991
2.18 ए.एम., रतलाम
शिक्षा- एम.ए. इंग्लिश, बी.एड., कद- 5'3"
सम्पर्क- सवाई माधोपुर (राज.)
मो. 09460778351, 08233923337

रुचि अशोक गुरु
जन्म दि. 05-02-1985
समय-4 ए.एम., खण्डवा
गौत्र- कश्यप, कद-5'8"
शिक्षा- एम.सी.ए. 2009
सम्पर्क- खंडवा
मो. 9406852088, 9923349905

यामिनी धर्मेन्द्र भट्ट
जन्म दि. 28-03-1989
समय-10.33 रात्रि, इन्दौर
शिक्षा- बी.बी.ए. (हास्पीलिटी एण्ड होटल मैनेजमेन्ट), गौत्र- शांडिल्य
कार्यरत- ड्यूटी मैनेजर

अति धर्मेन्द्र भट्ट
जन्म दि. 21-07-1990
समय-6.30 सुबह,
शिक्षा-बी.ई. (आई.टी.)
कार्यरत- आई.बी.एम. पुणे (महाराष्ट्र) सहायक इंजी.
सम्पर्क-खजराना, 7869078309

उम्र 27 कद-6'
शिक्षा- BSC, I.T., M.B.A. Marketing
कार्यरत- सीनियर एक्जीक्यूटीव, गोवा
सम्पर्क- 07417984404

अलंकृता भेरुशंकर दशोरा
जन्म दि. 5-3-1987, इन्दौर

शिक्षा- पी.एच.डी. वनस्पति विज्ञान
कद- 5'3"
सम्पर्क- उदयपुर (राज.)
मो. 09461915274

दीपाली विश्वंभर दत्त मेहता
जन्म दि. 30-05-1989 10.10 ए.एम.
स्थान- बूंदी (राज.)

शिक्षा- एम.ए. (म्यूजिक) एम.ए. (अंग्रेजी भाषा) अध्ययनरत
कार्यरत- कान्वेंट स्कूल
सम्पर्क- बुन्दी (राज.) 09982382460

माँ समान मेरी सासू माँ

7 मई 2015 प्रथम पुण्य तिथि पर सादर नमन

मैं जब विवाह उपरान्त इस परिवार में आई थी, तो मुझे किसी भी तरह के घरेलू कामकाज की जानकारी अच्छे से नहीं थी। मैंने जो कुछ भी सीखा वह उनके साथ रहकर ही सीखा। वे बहुत मेहनती थी। मैंने उन्हें गृहकार्य में बहुत मेहनत करते हुए देखा है। उनका जीवन बहुत ही सीधा एवं सरल था। उन्होंने कभी भी अपने स्वयं के लिये कोई साड़ी खरीदी हो ऐसा मुझे बहुत सोचने पर भी याद नहीं आ रहा है। वे कभी भी कुछ भी खरीदने के लिये बाजार नहीं गई। यहाँ तक कि चूड़ियाँ भी साल में दो बार पहनती थी, वो भी चूड़ी वाली घर आकर पहनाती थी।

मैं अपने परिवार की सबसे बड़ी बहू हूँ। इसलिये घर में हर शादी ब्याह, बच्चों के जनेऊ, गोद भराई, मुंडन आदि सभी काम मैंने उनके साथ मिलकर ही किये हैं। वे तीज त्यौहार भी बहुत लगन एवं उत्साह से मनाती थी, चाहे त्यौहार छोटा हो या बड़ा।

माता-पिता के लिये सारे बच्चे एक समान होते हैं, लेकिन फिर भी उन्हें सबसे ज्यादा लगाव अपने सबसे बड़े बेटे (डॉ.मनमोहन नागर) मेरे पतिदेव से था। मैं यह इतने दावे के साथ इसलिये कह रही हूँ, क्योंकि मैंने माँ-बेटे का प्यार देखा है, साथ ही महसूस भी किया है। इसके विपरीत यदि 'बाई' की सबसे ज्यादा तकरार भी किसी से होती थी तो वो भी इन्हीं से होती थी। इन दोनों माँ बेटे का तकरार भरा प्यार मैंने देखा है और साथ ही आनन्द भी उठाया है। 'बाई' मुझसे सुबह से शाम तक इनकी जानकारी लेती रहती थी। मोहन आयो कई? ये उनकी रोज की पूछताछ थी और मुझे इन सबका जवाब देना होता था।

आखिर में वो जब ज्यादा बीमार हो गई, खाना-पीना छूटने लगा तब मैं उनसे रोज पूछती थी कि क्या खाओगे। कभी-कभी परमाईश कर देती थी, कभी कहती थी जो तम खाओगा उई खई लूंगा। मुझे उनके साथ रहकर यह पता चल गया था कि वो कौन सी सब्जी खायेगी और कौन सी नहीं। मैं थाली परोसती थी तो इनसे कह देती थी कि आज थाली में कुछ नहीं बचेगा थाली साफ रहेगी, लेकिन यदि पसन्द की चीज नहीं बनी है तो थोड़ा खाकर थाली में पानी डालकर हाथ धो लेती थी।

इसी तरह एक दिन उन्होंने मुझसे कहा कि पोहा बनई ला। मैंने पूछा कब बनाऊ? तो खड़ी हिन्दी में बोली 'हम तो शाम को खाएँगे'।

आखिर 7 मई 2014 को वो अपने भरे पूरे परिवार को छोड़कर सदा के लिये इस संसार से बिदा हो गई। मैं सबसे ज्यादा नसीब वाली निकली, क्योंकि उन्होंने अपनी अन्तिम सांस भी मेरे सामने ही ली। मेरा एक हाथ उनके हाथ में था और एक हाथ से मैं उनका पसीना पोंछ रही थी और तभी उन्होंने अपनी अन्तिम सांस ली। दो हिचली आई और सब कुछ शांत हो गया। उस समय उनके आसपास मेरे अलावा कोई नहीं था।

मैं ईश्वर से प्रार्थना करती हूँ कि वे जहाँ भी हो ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें। अन्त में इतना ही कहूंगी कि-

जीवन के इस सफर में आपकी कमी का अहसास होता है।

आप नहीं है पर आपका आशीर्वाद सदैव हमारे साथ रहता है।

-श्रीमती रजनी नागर
55, शिवाजी पार्क कॉलोनी,
उज्जैन मो. 9893411884

श्री राजेन्द्र जी नागर, बापचा

शाजापुर । समीपस्थ ग्राम बापचा के स्वर्गीय पंडित बालकृष्ण जी नागर के छोटे सुपुत्र एवम डॉ अशोक नागर के छोटे भाई समाजसेवी ,मिलनसार,उन्नत कृषक श्री राजेन्द्र नागर का मंगलवार-बुधवार (८ अप्रैल २०१५) की रात्री मे ४८ वर्ष की आयु मे दिल का दौरा पढने से निधन हो गया स्व.श्री नागर ग्राम के समीप ही एक धार्मिक कार्यक्रम से देर रात मे घर लोट कर स्वस्थ अवस्था मे सोये उसी अवस्था मे उनका निधन हो गया।

श्री गोकुल प्रसाद जी नागर चौमा

शाजापुर । मोहन बडोदिया के समीपस्थ ग्राम चौमा के भाजपा नेता श्री हरीश नागर के पिता जी वरिष्ठ समाजसेवी श्री गोकुल प्रसाद जी नागर का अल्प बिमारी के चलते लगभग ८५ वर्ष की उम्र मे १८-०४-१५ को रात लगभग १० बजे निधन हो गया उनकी शव यात्रा उनके निवास स्थान से निकाली गई।

नागर रत्न श्रद्धेय श्री मूलशंकरजी नागर ब्रह्मलीन

नागर समाज के रत्न शिरोमणि, धीर गंभीर, व्यवहार कुशल, प्रतिभाशाली, प्रभावशाली व्यक्तित्व के धनी, सबके प्रिय, मूर्धन्य, विद्वान, सेवानिवृत्त कमिश्नर श्रद्धेय मूलशंकरजी नागर 'बापूजी' का 88 वर्ष की आयु में महाकाल की नगरी उज्जैन में देहावसान हो गया।

आप नागर समाज के प्रतिष्ठित परिवार - भूतेश्वर जागीरदार परिवार से ताल्लुक रखते हैं। आप जागीरदार स्व. गौरीशंकरजी नागर तथा स्व.लीलाबेन नागर के सुपुत्र हैं। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व.विश्वनाथजी त्रिवेदी के अनुज तथा उज्जैन आयुर्वेदिक महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य एवं डायरेक्टर आयुर्वेद भोपाल डॉ.विजयशंकरजी त्रिवेदी के बड़े भाई है। संजीवलोचन नागर म.प्र.वि.मं. धार तथा राजीवलोचन नागर सहकारिता विभाग उज्जैन के पिताश्री है। आपकी पुत्रियाँ श्रीमती संगीता बेन चौबे पति श्री संजय चौबे इंजीनियर जो कि कुवैत में सेवारत है तथा पुनीता बेन शर्मा पति श्री वीरेन्द्र शर्मा चार्टर्ड अकाउण्टेंट इन्दौर में निवास करते हैं।

माननीय मूलशंकरजी नागर की प्राथमिक शिक्षा भूतेश्वर में तथा माध्यमिक तथा उच्चतर माध्यमिक शिक्षा ब्राह्मण गली उज्जैन में रहते हुए उज्जैन से हुई। आप हिन्दी संस्कृत, गुजराती तथा अंग्रेजी भाषा में ज्ञाता होने के साथ-साथ मराठी, तमिल, मलयालम एवं बंगाली भाषा के भी जानकार थे। आप अत्यन्त मेधावी, परिश्रमी तथा प्रभावशाली व्यक्तित्व के धनी रहे हैं। आपने अध्ययन करते हुए भी अध्यापन कार्य किया तथा एम.ए. की परीक्षा के साथ-साथ लोक सेवा आयोग की परीक्षा एक साथ उत्तीर्ण की। आत्मविश्वास से सराबोर अध्ययनशील एवं प्रतिभा समन्न, कुछ कर गुजरने की चाह रखने वाले श्री मूलशंकरजी नागर जिन्होंने मित्रों एवं रिश्तेदारों की इस सलाह को दरकिनार किया कि दोनों परीक्षाओं में से एक समय मे कोई एक परीक्षा में ही सम्मिलित हो और अपने आत्मविश्वास, अध्ययनशीलता व ध्येय को सर्वोपरि रखते हुए उन्होंने दोनों परीक्षाओं को एक साथ विशिष्ट योग्यता के साथ उत्तीर्ण किया एवं अपने अद्भूत प्रतिभाशाली होने को सिद्ध किया।

लोक सेवा आयोग में सफल होने के पश्चात् आप नायब तहसीलदार के रूप में पदस्थ हुए एवं अपनी उल्लेखनीय एवं बेहतर प्रशासनिक क्षमता के चलते नायब तहसीलदार से तहसीलदार एवं डिप्टी कलेक्टर पद पर पदोन्नति प्राप्त करते हुए कई प्रशासनिक पदों ए.डी.एम., एस.डी.एम., एडीशनल कलेक्टर, आर.टी.ओ. फूड कंट्रोलर, माइनिंग ऑफिसर, नजूल ऑफिसर के रूप में अपनी शानदार सेवाएं देते हुए 1987 में कमिश्नर पद को सुशोभित करते हुए इन्दौर से सेवानिवृत्त हुए। आपने सेवा में रहते हुए भी नागर समाज के प्रति आपकी श्रद्धा अगाध रही। आपने अपनी जन्मस्थली ग्राम भूतेश्वर में सहकुटुम्ब शिवजी का अभिषेक पूजन करवाया जिसमें सम्पूर्ण ग्रामवासियों को भोजन प्रसादी की व्यवस्था करवाई। आपका विवाह स्व.श्रीमती इंदिरा बेन नागर से हुआ और 67 वर्षीय अपने वैवाहिक जीवन को एक आदर्श जोड़े के रूप में जिया जो कि अनुकरणीय है। दुर्भाग्यवश 25 मई 2011 को आपकी श्रीमती इन्दिरा बेन नागर पूजनीया मम्मीजी का देवलोकगमन हो गया।

आपने प्राणायाम और योगाभ्यास, मार्निंग वॉक को अपने जीवन का एक अभिन्न अंग बिना लिया था। 87 वर्ष की आयु तक आप नियमित योगाभ्यास, प्राणायाम एवं शीर्षासन नेतिक्रिया का पालन करते रहे। उज्जैन कोठी रोड़ पर नियमित वाकिंग और 'हरि ॐ' का जयघोष आपकी ही अनूठी पहल है। आप परिचित-अपरिचित सभी को मुस्कुराते हुए 'हरि ॐ' शब्द से अपना अभिवादन करते थे और इसीलिए आप 'हरि ॐ' वाले दादाजी के नाम से भी विख्यात रहे।

आप अध्ययनशील तो थे ही इस हेतु पुस्तकों से आपको अटूट लगाव रहा। आपने शासकीय जिला ग्रंथालय उज्जैन में उनके द्वारा संग्रहित बहुत सी उपयोगी पुस्तकों का दान किया है जिस हेतु उज्जैन लायब्रेरी-शासकीय जिला ग्रंथालय उज्जैन की ओर से विश्व पुस्तक एवं कॉपी राईट दिवस पर आपको सम्मानित किया गया है।

संस्कृत के विद्वान श्लोकों के माध्यम से प्राभवाशाली तरीके से अपनी बात समझाने वाले शान्त एवं चहुँमुखी प्रतिभा के धनी श्रद्धेय मूलशंकरजी नागर बापूजी का बुद्ध पूर्णिमा 3 मई 2015 को 88 वर्ष की आयु में देवलोकगमन हो गया। आपका जाना नागर परिवार एवं नागर समाज के साथ-साथ आत्मीय परिवारों के लिये भी अपूर्णीय क्षति है। सम्पूर्ण नागर समाज एवं आत्मीयजनों की ओर से आपको कोटि-कोटि प्रणाम व अश्रुपूरित श्रद्धांजलि।

-श्रीमती वन्दना राजीव लोचन नागर
66, आजाद नगर, उज्जैन मो. 9826567810

कर्मयोगी श्री ओमप्रकाश शुक्ल, रतलाम

श्री ओमप्रकाश शुक्ल रतलाम निवासी (64) एक अच्छे, कर्त्तव्य निष्ठ विनम्र, आकर्षक, हंसमुख व्यक्तित्व थे, उनका देहावसान 21 फरवरी 2015 को हो गया। 21 फरवरी को वे रावल परिवार के विवाह समारोह में सम्मिलित होने खाचरोद पहुँचे थे, वहीं हृदयाघात के पश्चात् डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। यह दुःखद समाचार रतलाम पहुँचते ही शोक लहर व्याप्त हो गई। 22 फरवरी को जवाहर नगर स्थित निजी निवास से निकली शवयात्रा में सैकड़ों लोग सम्मिलित हुए। शोकसभा में समाज के अध्यक्ष श्री विभाष मेहता, एडवोकेट प्रदीप रावल, श्री संजय दवे, शाजापुर के श्री लक्ष्मीकांत नागर, आर.सी. नागर उज्जैन ने कहा कि ओम बाबू सद्व्यवहार के धनी थे। ओम बाबू ने स्नातक तक पढ़ाई पूर्ण कर सज्जनमिल में नौकरी की, मिल बंद होने के पश्चात् रेस्टारेंट व्यवसाय शुरु किया। वे जीवन पर्यन्त संघर्ष से कभी नहीं डिगे। आपका विवाह माकड़ोन निवासी पं.रामनारायणजी नागर की सुपुत्री हेमलता से हुआ। आपने दादीजी, ताउजी (अविवाहित) विधवा काकीजी एवं माता-पिता के प्रति अपने दायित्व का निर्वाह किया एवं सेवा सुश्रुषा की। पिताश्री के देहावसान के पश्चात् आपने छोटे भाई दिनेशजी एवं जेनेन्द्रजी को पिता समान स्नेह एवं मार्गदर्शन दिया। अपने चारों बच्चों को उच्च शिक्षित बनाया। बड़ा पुत्र चि.मनीष अमरिका में इन्फोसिस कंपनी में प्रोजेक्ट मैनेजर है। द्वितीय पुत्र कोटक महिन्द्रा बैंक तथा तृतीय पुत्र पुलिस विभाग में है। पुत्री शीतल का ब्याह चित्तोड़गढ़के परेशजी नागर से हुआ है। ओम बाबू का आकर्षक व्यक्तित्व, कर्त्तव्यनिष्ठा, मिलनसारिता को हमेशा याद किया जाता रहेगा। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि।

-आर.सी. नागर
84, सेठी नगर, उज्जैन मो. 9406617658

यथानाम, तथागुण
श्री सुभाषचन्द्र त्रिवेदी, राऊ

राऊ निवासी श्री सुभाषचन्द्र त्रिवेदी पिताजी स्व.गोविन्दजी नागर का देवलोकगमन 26 अप्रैल 2015 को दीर्घकालीन अस्वस्थता के पश्चात् हो गया। श्री त्रिवेदी अपने नाम के अनुरूप सु-भाषी, मृदुभाषी एवं हंसमुख थे। आप कु.महिमा त्रिवेदी के पिता एवं श्री अनिल नागर एवं राधिका नागर के बड़े भ्राता थे और म.प्र. नागर ब्राह्मण शाखा इन्दौर के महासचिव श्री राजेन्द्र व्यास एवं भुवनेश व्यास के बहनोई थे। उनके देहावसान पर इन्दौर शाखा अध्यक्ष सर्व श्री जयेश झा, दीपक शर्मा, शिव जोशी, गिरिजाशंकर नागर एवं सूर्यकांत नागर आदि ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रीमती सुशीला ठाकोर, बूंदी (राज.)

बूंदी (राज.) निवासी श्री योगेशजी ठाकोर की धर्मपत्नी श्रीमती सुशीलाजी ठाकोर (76 वर्ष) का देहावसान 25 अप्रैल 2015 को भीलवाड़ा में हो गया, उन्हें सभी परिजनों, रिश्तेदारों और स्थानीय गणमान्य नागरिकों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। उनका मनमोहक व्यक्तित्व, स्नेही और संतोषी स्वभाव हम सभी परिजनों के मन पर अमिट छाप छोड़ गया। इस मुश्किल घड़ी में ढांढस बंधाने वाले सभी बंधुओं के प्रति आभार। -उषा ठाकोर, मुम्बई

चतुर्थ पुण्यतिथि

सिद्धांतों की नींव रखी
कर्मठता से पहचान बनाई
जीवन पथ के कठीन क्षणों में
आपके आदर्शों ने ही राह दिखाई

स्व.श्री रामप्रसादजी शर्मा

31 मई

श्रद्धावनत- श्रीमती प्रेमलता शर्मा,
श्रीमती आशा-रमेशचन्द्र शर्मा, श्रीमती नीलम-डॉ.राजेन्द्र शर्मा,
श्रीमती दीक्षा-अश्विन शर्मा, श्रीमती अलका-हितेन्द्रजी नागर,
श्रीमती पूजा-सर्वज्ञजी पुराणिक, आस्था, हार्दिक वेदार्थ
एवं समस्त शर्मा परिवार।

MPHIN/2007/19763 जय हाटकेश वाणी डाक पंजीयन RO/IDC/42/2013-15

प्रथम पुण्य स्मरण

अवसान दि. 7 मई 2014

ममता, प्यार, त्याग की आदर्श प्रति मूर्ति

श्रीमती पुष्पा नागर

आपको शत् शत् नमन

प्रेमनारायण नागर, मनमोहन-रजनी नागर, सोहन-कुमुद नागर,
दिलीप-नीता नागर, सुधा-कमलकान्त मेहता
आशीष-मोनिका-सारा, महिष, प्रीति, अदित, रोहित-निधि-अर्जुन-दीक्षा,
रवि-स्वाति-आदि, मयंक-श्रुति-नेत्रा, प्रियंक-प्रगति, रजत, शैलेष-सुजाता-कुहू,
अमित-प्रिया-राधा, सौरभ-अदिति-यश एवं समस्त चांचौड़ा परिवार

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक मनीष शर्मा द्वारा चैतन्य लोक प्रिंटर्स,
20, जूनी कसेरा बाखल, इन्दौर से मुद्रित एवं यही से प्रकाशित
सम्पादक : सौ. संगीता शर्मा (52) मो. 94250 63129
LATE POSTING